राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 02 जनवरी 2025 वर्ष-7,अंक-337 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

फर्टिलाइजर पर जारी रहेगी सब्सिडी, 1350 रुपए में ही मिलेगा डीएपी खाद का बैग

-केंद्र सरकार ने नए साल के पहले दिन किसानों के हक में लिए बड़े फैसले

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने नए साल के पहले दिन किसानों के लिए बड़े फैसले किए हैं। बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025-26 तक जारी रखने को मंजूरी दे दी है। इसके साथ फर्टिलाइजर पर सब्सिडी जारी रहेगी। डीएपी खाद का 50 किलोग्राम का बैग 1350 रुपए में ही मिलता रहेगा। कैबिनेट ने डीएपी खाद बनाने वाली कंपनियों को 3850 करोड़ की अतिरिक्त सब्सिडी देने का ऐलान किया है। फसल बीमा योजना का आवंटन बढ़ाकर 69516 करोड़ रुपए कर दिया है। फसल बीमा न देने पर पेनल्टी नहीं लगेगी। इसके अलावा कैबिनेट ने कृषि जगत में इनोवेशन और टेक्नोलॉजी को विस्तार देने के लिए 824.77 करोड़ रुपए के बजट का भी आवंटन किया है। कैबिनेट ने वेदर इंफॉर्मेशन से जुड़े प्रोजक्ट पर भी मंजूरी दी है। मौसम सूचना और नेटवर्क डेटा सिस्टम में ब्लॉक स्तर पर ऑटोमेटिक वेदर सिस्टम और पंचायत स्तर पर ऑटोमेटिक रेन गेज स्थापित किए जाएंगे। 9 प्रमुख राज्य में यह प्रोजेक्ट लागू करने की प्रक्रिया में हैं जिसमें केरल, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पुडुचेरी, असम, ओडिशा, कर्नाटक, उत्तराखंड और राजस्थान शामिल हैं, अन्य राज्यों ने भी इसे लागू करने की उनके राज्या इच्छा जाहिर की है।

विजयन के बयान पर भड़की बीजेपी, साल बदला लेकिन सनातन का अपमान करना नहीं छोड़ा

नई दिल्ली ।

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने समाज सुधारक और आध्यात्मिक नेता श्री नारायण गुरु को सनातन धर्म के वकील और प्रस्तावक के रूप में चित्रित करने के संगठित प्रयास की आलोचना की है। मुख्यमंत्री विजयन ने दावा किया कि गुरु एक महान ऋषि थे, जिन्होंने सनातन धर्म को पार किया। सीएम विजयन ने वर्कला में 92वें शिवगिरी तीर्थयात्रा का उद्घाटन कर कहा, श्री नारायण गुरु को सनातन धर्म के वकील और प्रस्तावक के रूप में चित्रित करने का एक संगठित प्रयास चल रहा है। हालांकि, गुरु सनातन धर्म के समर्थक नहीं थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके बजाय, नारायण एक महान ऋषि थे जिन्होंने इस पार किया, इसके कठोर ढांचे को खत्म कर आधुनिक समय के लिए उपयुक्त नए युग के धर्म की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन धर्म कोई और नहीं बल्कि वर्णाश्रम धर्म है, जिसे गुरु के नए युग के मानवतावादी धर्म द्वारा चुनौती दी गई थी। वहीं विजयन की टिप्पणी पर बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि नया साल शुरू हो गया है लेकिन उनकी मानसिकता सनातन का अपमान करने वाली अभी भी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि केरल के मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया बयानों की लंबी श्रृंखला का हिस्सा है। अब वामपंथियों को लग रहा था कि कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति में उनसे आगे निकल गई है और उस अतिवादी वोट बैंक को वापस पाने के लिए वे हिंदू आस्था और सनातन पर इसतरह के बयान देने लगे है।

साल के आखिर दिन सूरत में हादसा, स्टील प्लांट में लगी आग, 4 कर्मचारियों की मौत

सूरत। गुजरात के सूरत में हजीरा औद्योगिक क्षेत्र के एक इस्पात संयंत्र में मंगलवार से लगी आग में चार मजदूरों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया है। सूरत पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने बताया कि आर्सेलर मित्तल निप्पन स्टील इंडिया लिमिटेड में यह घटना घटी। उन्होंने बताया कि उन्हें जानकारी मिली कि जलता हुआ कोयला अचानक फैल जाने से संयंत्र के एक हिस्से में आग लग गई। आग लगने से चार मजदूरों की मौत हो गई। वे घटना के समय संयंत्र की लिफ्ट में थे। उन्होंने बताया कि घटना की जांच की जाएगी। अभी तक कोई आकस्मिक मौत की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। इस घटना में मारे गए लोगों में से तीन के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि कोरेक्स प्लांट में एक उपकरण के फेल हो जाने के कारण यह घटना हुई। उन्होंने दुर्घटना पर खेद व्यक्त करते हुए कहा कि दुर्घटना के समय पास में ही एक लिफ्ट (एलेवेटर) पर रखरखाव का काम कर रहे एक निजी कंपनी के चार संविदा कर्मचारी इसकी चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौत हो गई। इसमें कहा गया है कि एक श्रमिक को मामूली चोट आई है और उसे तुरंत संयंत्र परिसर में ही स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत में सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना में पीड़ित कर्मियों के परिवारों को हरसंभव मदद दी जा रही है। सभी आपातकालीन प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिए गए हैं और क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है। संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए आंतरिक जांच शुरू कर दी है।

अब तक कुल 3 करोड़ 22 लाख घरों को मंजूरी, इसमें 2 करोड़ 68 लाख घर तैयार

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत अब तक कुल 3 करोड़ 22 लाख घरों को मंजूरी दी जा चुकी है। इसमें 2 करोड़ 68 लाख घर तैयार हैं। साल 2024 में 1 अप्रैल से मंजूर किए गए करीब 28 लाख घरों में से करीब 2 प्रतिशत का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि करीब 88 प्रतिशत के लिए अनुदान की पहली किस्त जारी की जा चुकी है। यानी 30 दिसंबर तक 54 हजार 582 घरों का निर्माण पूरा हो चुका है। मोदी सरकार ने पीएम आवास योजना-ग्रामीण के तहत 2024 तक पानी, बिजली सहित बुनियादी सुविधाओं से लैस 2 करोड़ 95 लाख पक्के घर लोगों को देने का लक्ष्य रखा था। अपने तीसरे कार्यकाल में मोदी सरकार ने 9 अगस्त 2024 को योजना का विस्तार किया और वित्त वर्ष 2024-25 से लेकर वित्त वर्ष 2028-29 के बीच ग्रामीण इलाकों में 2 करोड़ और आवास बनाने की मंजूरी दी। ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 30 दिसंबर 2024 तक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कुल 3 करोड़ 33 लाख आवास अलॉट हुए थे। इसमें से राज्यों की ओर से औपचारिकताएं पूरी करने पर 3 करोड़ 22 लाख घरों के लिए स्वीकृति मिल चुकी थी। इसके अलावा, 3 करोड़ चार लाख घरों के लिए अनुदान की पहली किस्त जारी की जा चुकी थी और 2 करोड़ 68 लाख घर बनकर तैयार हो चुके थे। मंत्रालय के मुताबिक, 2024 में 1 अप्रैल से 30 दिसंबर के बीच 28 लाख 17 हजार 22 मकानों की मंजूरी दी गई। इसमें से 22 लाख 97 हजार 880 के लिए अनुदान की पहली किस्त जारी की जा चुकी थी और 30 दिसंबर तक 54 हजार 582 घरों का निर्माण पूरा हो चुका था। पीएम नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को इस योजना के 10 लाख से अधिक लाभार्थियों को अनुदान की पहली किस्त जारी की थी और आवास प्लस ऐप भी लॉन्च किया था।

नए साल के पहले दिन भूकंप से थर्राई कच्छ की धरती, कोई नुकसान नहीं

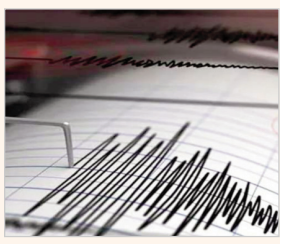

अहमदाबाद। नए साल 2025 के पहले दिन ही सीमावर्ती जिले में भूकंप का झटका महसूस किया गया. कच्छ के भचाऊ में भूकंप के झटके से लोगों में दहशत फैल गई. हांलाकि भूकंप मामूली तीव्रता का होने से किसी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है. जानकारी के मुताबिक आज नए साल 2025 के पहले दिन कच्छ जिले के भचाऊ में भूकंप से जमीन थर्रा उठी. भूकंप का केंद्र भचाऊ से 23 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में दर्ज किया गया. अचानक आए भूकंप के झटके के बाद लोग घर से बाहर निकल आए। हालांकि भूकंप से किसी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचा. सुबह 10 बजकर 24 मिनट पर 3.2 तीव्रता का भूकंप आया.

मुंबई हमले का आरोपी जल्द लाया जाएगा भारत, अमेरिका अदालत ने दी प्रत्यर्पण की इजाजत

राणा ने मुम्बई हमलों के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी

मुंबई।

26/11 मुम्बई आतंकी हमलों में शामिल तहव्वुर राणा को जल्द भारत लाया जा सकता है। राणा को भारत लाने की प्रक्रिया राजनयिक चैनलों के जरिए मिल रही है। बता दें अगस्त 2024 में अमेरिकी अदालत ने फैसला सुनाया कि राणा को दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है। अदालत ने तब राणा की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उसने मुम्बई आतंकी हमलों में अपनी संलिप्तता के लिए भारत को प्रत्यर्पित करने का विरोध किया था। अदालत ने माना कि भारत ने राणा के खिलाफ पर्याप्त प्रमाण प्रस्तुत किए थे, जिससे यह साबित होता है कि प्रत्यर्पण आदेश सही था।

राणा का नाम मुम्बई पुलिस ने 26/11 हमलों के संबंध में अपनी चार्जशीट में शामिल किया था। उस पर पाकिस्तान की इंटरसर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक सक्रिय सदस्य के रूप में काम करने का आरोप है। चार्जशीट में कहा गया है कि राणा ने मुम्बई हमलों के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी, जिसने हमलों के लिए मुम्बई में जगहों की रेकी की थी।

अदालत ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रत्यर्पण संधि में नॉन-बिस इन आइडम अपवाद है। यह तब लागू होता है जब आरोपी को उस अपराध के लिए पहले ही

दोषी ठहराया या बरी किया जा चुका हो। अदालत ने यह भी कहा कि राणा के खिलाफ भारत में लगाए गए आरोप अमेरिकी अदालतों में उनके खिलाफ चलाए गए मामलों से अलग हैं, इसीलिए नॉन-बिस इन आइडम अपवाद लागू नहीं होता।

26/11 मुम्बई आतंकी हमलों के करीब एक साल बाद एफबीआई ने शिकागो में राणा को गिरफ्तार किया था। राणा और उसके साथी डेविड कोलमैन हेडली ने मिलकर मुम्बई हमलों के लिए जगहों की रेकी की थी और पाकिस्तान के आतंकवादियों को हमले को अंजाम देने के लिए खाका तैयार किया था।

जलगांव में मंत्री की कार से टक्कर लगने पर हंमागा, 6 गाड़ियां, 15 दुकानें फूंकी

जलगांव।

महाराष्ट्र के जलगांव के पारधी में साल 2024 की रात मंत्री गुलाब राव पाटिल के समर्थकों और स्थानीय लोगों के बीच झड़प हो गई। इसके बाद भीड़ ने 6 गाड़ियों और 15 दुकानों में आग लगा दी। फायर ब्रिगेड ने आग बुझाई। इसके बाद जलगांव में 2 जनवरी सुबह 6 बजे तक के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मंत्री गुलाब राव पाटिल की गाड़ी में उनका परिवार नए साल के जश्न में शामिल होने गया था। ड्राइवर ने हॉर्न बजाने और टक्कर लगने पर गांव वालों से बहस हो गई। झगड़े की खबर लगते ही गांव के कुछ लोग और शिवसेना के कार्यकर्ता भी वहां पहुंच गए। इसके बाद वहां खड़ी गाड़ियों और दुकानों में आग लगा दी गई। पुलिस ने 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने 8 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एडीशनल एसपी कविता नेरकर ने बताया कि 20 से 25 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धरणगांव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया है। जलगांव के कई इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात है। स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है।

सीएम बीरेन के माफी मांगने के कुछ घंटों पर मणिपुर के गांव पर हमला

इंफाल।

मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले के एक गांव पर मंगलवार रात कुछ बंदूकधारियों ने हमला कर दिया। कडांगबंद इलाके में रात 1 बजे बम फेंके गए। गांव वालों ने भी इस हमले के जवाब में फायरिंग की। इसमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है। मणिपुर में यह ताजा घटना सीएम बीरेन सिंह के माफी मांगने के बयान के कुछ घंटों बाद हुआ। सीएम बीरेन ने मंगलवार को राज्य में हुई हिंसा और उसमें हुई जनहानि को लेकर माफी मांगी थी। इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सवाल पूछा था कि पीएम मोदी मणिपुर क्यों नहीं जाते हैं। इसके जवाब में बीरेन ने कहा था कि पूर्व पीएम नरसिम्हा राव के कार्यकाल में भी मणिपुर में अशांति थी। क्या वह वहां गए थे।

सीएम बीरेन ने साल 2024 के आखिर दिन मीडिया से चर्चा के दौरान कहा था कि हिंसा में कई लोगों ने अपने प्रियजन को खो दिया। कई लोगों बेघर हो गए हैं। मुझे खेद है। मैं माफी मांगता हूं। मणिपुर में मई 2023 से अक्टूबर 2023 तक गोलीबारी की 408 घटनाएं दर्ज की गईं। नवंबर 2023 से अप्रैल 2024 तक 345 घटनाएं हुईं। मई 2024 से अब तक 112 घटनाएं सामने आई हैं।

महाराष्ट्र एटीएस ने नौ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया, अब तक 43 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

मुंबई ।

महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने और वैध दस्तावेजों के बिना देश में रह रहे नौ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। यह नवीनतम ऑपरेशन अवैध आव्रजन से निपटने के लिए महाराष्ट्र एटीएस का हिस्सा है। पिछले माह ही एटीएस ने एक विशेष पहल के तहत 19 अलग-अलग मामलों में 43 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। हालिया गिरफ्तारियाँ पिछले चार दिनों में मुंबई, नासिक, नांदेड़ और छत्रपति संभाजीनगर की पुलिस की सहायता से की गईं। अधिकारी ने कहा कि नौ बांग्लादेशी नागरिकों में आठ पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर आधार कार्ड बनवाए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनके खिलाफ विदेशी अधिनियम और अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत पांच मामले दर्ज किए हैं। इसके पहले 27 दिसंबर को महाराष्ट्र एटीएस ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने और वैध दस्तावेजों के बिना रहने के आरोप में 13 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। दरअसल एटीएस द्वारा शुरू किए गए एक विशेष अभियान के दौरान ये गिरफ्तारियां की गईं। उन पर विदेशी अधिनियम और अन्य संबंधित कानूनों के तहत तीन मामले दर्ज हैं। ये बांग्लादेशी नागरिक जाली दस्तावेजों का उपयोग करके आधार कार्ड जैसे भारतीय दस्तावेज प्राप्त करने में कामयाब रहे थे। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशी मां-बेटे की जोड़ी को निर्वासित कर दिया, जिसमें से एक महिला 2005 से दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में रह रही थी। पुलिस ने कहा कि निर्वासित व्यक्तियों की पहचान नज़मा खान और उनके बेटे नईम खान (22) के रूप में की गई है। मां-बेटे सराय में रह रहे थे, जहां नजमा घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। पूछताछ के दौरान, नईम ने दावा किया कि वित्तीय कठिनाइयों ने दो दशक पहले उसकी मां को भारत में स्थानांतरित होने के लिए मजबूर किया।

संभल में जामा मस्जिद के सामने बन रही पुलिस चौकी की जमीन वक्फ की?

एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी ने पेश किए दस्तावेज, डीएम ने बताया यह आजाद भूमि

संभल।

यूपी के संभल में जामा मस्जिद के पास पुलिस चौकी निर्माण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इसे वक्फ की जमीन बताया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि यह जमीन वक्फ की है, जैसा कि रिकॉर्ड में दर्ज है साथ ही, उन्होंने प्राचीन स्मारक अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि संरक्षित स्मारकों के पास निर्माण कार्य प्रतिबंधित है।

दरअसल, संभल की शाही जामा मस्जिद के सामने पांच मीटर की दूरी पर बन रही पुलिस चौकी के निर्माण और जगह को लेकर कई राजनीतिक पार्टियां सवाल उठा चुकी हैं। इसी बीच असदुद्दीन ओवैसी ने पुलिस चौकी के निर्माण को लेकर सवाल उठाते हुए ट्वीट किया और जमीन वक्फ की होने का दावा किया है।

ओवैसी ने जमीन से संबंधित कुछ दस्तावेज भी पोस्ट किए है। पुलिस चौकी के निर्माण पर उठते सवालों और जमीन वक्फ की होने के दावे को लेकर कोई भी सामने नहीं आया है। पुलिस चौकी के निर्माण वाली जगह पर उठ रहे सवालों के बीच संभल जिले के डीएम डॉ राजेंद्र पैंसिया ने ओवैसी द्वारा किए गए दावे पर जमीन को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है।

इस मामले में पेंसिया ने ओवैसी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि चौकी का निर्माण पूरी तरह से नियमों के मुताबिक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस चौकी के संबंध में हमारे पास दो अधिवक्ता आए थे और इससे संबंधित कुछ दस्तावेज हमे सौंपे थे। उन दस्तावेजों का परीक्षण किया गया, इसमें कोई भी दस्तावेज रजिस्टर्ड नहीं है।

उन्होंने कहा कि अभी तक जो भी कार्यवाही की जा रही है, वह नियम अनुसार की जा रही है। चौकी का निर्माण भी नियम अनुसार किया जा रहा है। स्वतंत्रता के बाद से यह आजाद भूमि के तौर पर दर्ज है और नगर पालिका की संपत्ति के रूप में है। इसके दस्तावेज भी हमारे पास मौजूद हैं। अगर कोई दूसरा व्यक्ति भी दस्तावेज लेकर आता है तो है, हम उसका भी परीक्षण करेंगे।

इस मामले में कश्यप समाज के लोगों ने जामा मस्जिद के सामने खाली जगह पर दावा किया था कि पूर्व में यह कश्यप समाज का देवस्थान था। इस दावे पर डीएम ने कहा कि हिंदू पक्ष की तरफ से एक आवेदन आया है और मुस्लिम पक्ष की तरफ से अभी तक कोई आवेदन नहीं आया है। हमने इस मामले में दो लोगों की जांच कमेटी बना दी है। उस कमेटी द्वारा जांच की जा रही है। इस मामले में जो भी जांच रिपोर्ट आएगी इससे भी अवगत कराया जाएगा।

जामा मस्जिद के सामने बन रही पुलिस चौकी का निर्माण जारी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली चुनावों पर 'रेवड़ी कल्चर' का खतरनाक साया

उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। यदि कोई नेता या राजनीतिक दल गरीबों को कोई सुविधा मुफ्त देने का वादा कर रहा है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि वह उसके लिए धन कहां से लाएगा? अनेक अर्थशास्त्री मुफ्त उपहार बांटकर लोगों के वोट खरीदने की खतरनाक प्रवृत्ति के प्रति आगाह कर चुके हैं, लेकिन उनकी चिंताओं से नेता बेपरवाह हैं। वे यह देखने को तैयार ही नहीं कि अनाप-शनाप चुनावी वादों को पूरा करने की कीमत क्या होती है और उनसे आर्थिक सेहत पर कितना बुरा असर पड़ता है।

(लेखक- ललित गर्ग)

दिल्ली विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मी उग्र से उग्रतर होती जा रही है। आम आदमी पार्टी मतदाताओं को लुभाने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव से पहले अब आम आदमी पार्टी ने एक ऐसी लुभावनी, मतदाताओं को आकर्षित करने की योजना की घोषणा की है जिसके अन्तर्गत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को 18 हजार रुपए महीने दिए जाएंगे। इस योजना का नाम पुजारी-ग्रंथी योजना है। मुस्लिम धर्म एवं उनके अनुयायियों को रिझाते-रिझाते एकदम से केजरीवाल को हिन्दू धर्म के पुजारी एवं सिख धर्म के ग्रंथी क्यों याद आ गये? विडम्बना है कि विभिन्न राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार बांटने, तोहफों, लुभावनी घोषणाएं एवं योजनाओं की बरसात करने का माध्यम बनते जा रहे हैं। बजट में भी 'रेवड़ी कल्चर' का स्पष्ट प्रचलन लगातार बढ़ रहा है, खासकर तब जब उन राज्यों में चुनाव नजदीक हों। 'फ्रीबीज' या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने का हथियार हैं। यह एक राजनीतिक विसंगति एवं विडम्बना है जिसे कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक पार्टियां राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकती है। अरविन्द केजरीवाल ने तो दिल्ली में अपनी हार की संभावनाओं को देखते हुए सारी हदें पार कर दी है। बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेय या भाजपा की ही नहीं है, बल्कि हर राजनीतिक दल सरकारी खजानों का उपयोग आम मतदाता को अपने पक्ष में करने के लिये करता है।

'मुफ्त की सौगात' राजनीतिक फायदे के लिए जनता को दाना डालकर फंसाने वाली पहल है, एक तरह से दाना डालकर मछली पकड़ने जैसा है। ऐसी सौगातें सिर्फ गरीबों के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए होती है, जिसके पीछे आम आदमी पार्टी के संयोजक जैसे राजनेताओं का एकमात्र उद्देश्य देश में अपनी और अपनी पार्टी का प्रभुत्व स्थापित करना है। केजरीवाल के द्वारा चुनावों में मुफ्त की घोषणाएं करना कोई नया चलन नहीं है। अपने देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जताई थी। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं। कई बार तो वे अपात्र लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देने के वादे कर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। यदि कोई नेता या राजनीतिक दल गरीबों को कोई सुविधा मुफ्त देने का वादा कर रहा है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि वह उसके लिए धन कहां से लाएगा? अनेक अर्थशास्त्री मुफ्त उपहार बांटकर लोगों के वोट खरीदने की खतरनाक प्रवृत्ति के प्रति आगाह कर चुके हैं, लेकिन उनकी चिंताओं से नेता बेपरवाह हैं। वे यह देखने को तैयार ही नहीं कि अनाप-शनाप चुनावी वादों को पूरा करने की कीमत क्या होती है और उनसे आर्थिक सेहत पर कितना बुरा असर पड़ता है। रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। दिल्ली में महिलाओं एवं किन्नरों को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा की घोषणाएं की गयी है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल करोड़ों रुपये तक का नुकसान हुआ है। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया जा सकता है। लेकिन केजरीवाल ने ऐसी विकृत राजनीति को जन्म दिया है, जिसमें विकास पीछे छूट गया है। राजनीतिक दलों में ऐसी 'मुफ्त की संस्कृति' की प्रतिस्पर्धा का परिणाम अनुसंधान एवं विकास व्यय, स्वास्थ्य व शिक्षा व्यय और रक्षा व्यय में कमी के रूप में देखने को मिले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पिछले दस वर्षों में दिल्ली का विकास ठप्प है। हम दक्षिण कोरिया के रास्ते पर चलकर भविष्य में एक विकसित अर्थव्यवस्था बनेंगे या हमेशा एक 'विकासशील राष्ट्र' बने रहेंगे, यह हमारे द्वारा अभी चुने गए विकल्पों से निर्धारित होगा। ऐसी मुफ्त की सुविधा, सम्मान एवं लोकलुभावन की घोषणाओं से कहीं हम पाकिस्तान एवं बांग्लादेश की तरह अपनी अर्थ-व्यवस्था को रसातल में न ले जाये?

आप सुप्रीमो ने केवल आप सरकारों बल्कि विपक्षी दलों को अपने राज्यों में पुजारियों-ग्रंथियों को सम्मान राशि देने जैसे परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि वे नई योजना में बाधा न डालें, ऐसा करके वे भगवान को क्रोधित करेंगे। भला राजनीतिक स्वार्थ की रोटियों के बीच भगवान कहां से आ गये? शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत योजनाएं तो ठीक से चला नहीं पाते, अच्छे-भले सम्पन्न एवं निष्कंटक जीवन का निर्वाह करने वाले लोगों के लिये मुक्त की सुविधाएं कैसे कल्याणकारी हो सकती है? पंजाब विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा की थी, क्या हुआ उस योजना का? दिल्ली में 250 से अधिक इमामों को 17 महीने से अधिक समय से वेतन नहीं मिला है। मुफ्त बिजली एवं पानी देने की घोषणाएं भी ठण्डे बस्ते में चली गयी। ऐसी अनेक घोषणाएं हैं जो चुनावी मुद्दा तो बनती है, मतदाताओं को लुभाती है, लेकिन चुनाव जीतने के बाद धरती पर उतरती कभी नहीं। सभी राजनीतिक दलों की बड़ी लुभावनी घोषणाएं होती हैं, घोषणा पत्र होते हैं-जनता को पांच वर्षों में अमीर बना देंगे, हर हाथ को काम मिलेगा, सभी के लिए मकान होंगे, सड़कें, स्कूल-अस्पताल होंगे, बिजली और पानी, हर गांव तक बिजली पहुंचाई जायेगी, शिक्षा-चिकित्सा निःशुल्क होगी। ये राजनीतिक घोषणाएं पांच साल में अधूरी ही रहती है, फिर चुनाव की आहट के साथ रेवडियां बांटने का प्रयत्न किया जाता है, कितने ही पंचवर्षीय चुनाव हो गये और कितनी ही पंचवर्षीय योजनाएं पूरी हो गईं पर यह दुनिया का आठवां आश्चर्य है कि कोई भी लक्ष्य अपनी समग्रता के साथ प्राप्त नहीं हुआ।

खुशहाल देश और समाज वही माना जाता है, जहां लोग निजी उद्यम से अपने गुजर-बसर संबंधी सुविधाएं जुटाते हैं। खैरात पर जीने वाला समाज विपन्न ही माना जाता है। लोग भी यही चाहते हैं कि उन्हें कुछ करने को काम मिले। इसी से उन्हें संतोष मिलता है। मगर हकीकत यह है कि देश में नौकरियों की जगहें और रोजगार के नए अवसर लगातार कम होते गए हैं। सरकारों की तरफ से ऐसे अवसरों को बढ़ाने के व्यावहारिक प्रयास न होने की वजह देश एवं प्रांत समग्र एवं चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर नहीं हो पाते हैं। सरकारें अपनी इस नाकामी एवं कमजोरी पर पर्दा डालने के लिए मुफ्त सहायता देने की परंपरा विकसित कर ली है। चाहे वह मुफ्त राशन हो, बेरोजगारी भत्ता हो या फिर महिलाओं को वजीफा हो, मुक्त बिजली-पानी हो, मुफ्त चिकित्सा हो, मुफ्त यात्रा हो, पुजारियों, मौलवियों एवं ग्रंथियों को मुफ्त वेतन हो- इस मामले में किसी भी राजनीतिक दल की सरकार पीछे नहीं है। अब तो इस मामले में जैसे एक-दूसरे को पछाड़ने की होड़-सी नजर आने लगी है। सवाल है कि सरकारें इस पहलू पर कब विचार करेंगी कि हर हाथ को काम मिले, रोजगार बढ़े, स्वरोजगार की स्थितियां बने। इस तरह देश साधन-सम्पन्न लोगों में मुफ्तखोरी की आदत डालना सही नहीं है। मुफ्तखोरी की राजनीतिक से लोकतंत्र को खतरा हो सकता है और इससे देश का आर्थिक बजट लडखड़ाने का भी खतरा है। प्रेषक:

संपादकीय

नई उमंग और उत्साह

यूं तो समय अनवरत रूप से अपनी गति से चलता है। लेकिन पर्व-त्योहार और खास दिन उसमें नई उमंग और उत्साह भर देते हैं। यूं तो हर नया साल पहले जैसा ही होता है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम इस समय का कितना बेहतर रचनात्मक उपयोग करते हैं। अपने व परिवार का जीवन कितना ऊर्जावान व सकारात्मक बनाते हैं। दरअसल, कोई साल अच्छा-बुरा नहीं होता, उसके दौरान उत्पन्न होने वाली परिस्थितियां उसकी दशा-दिशा तय करती हैं। यह हमारे विवेक और सजगता पर निर्भर करता है कि हम कैसे विषम परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाते हैं। यह लंबी बहस का विषय रहा है कि एक जनवरी पश्चिमी देशों का नया साल है। यह भी कि उदास मौसम व रक्त जमाती सर्दी में नया साल मनाने का क्या औचित्य है? कहा जाता है कि भारतीय नववर्ष का आगमन उस समय होता है कि जब कुदरत मुस्करा रही होती। सर्दी की विदाई की वेला होती है और ग्रीष्म ऋतु दस्तक दे रही होती है। वृक्षों पर फल-फूल व खेतों में नयी फसल पकने की तैयारी हो रही होती है। लेकिन तसवीर का सकारात्मक पहलू यह है कि एक जनवरी का नववर्ष हमें कड़ाके की सर्दी और उदासी के मौसम में जीवंतता प्रदान करता है। लोग मौसम की तल्खी की परवाह किए बिना जमकर नये साल के उत्सवों में शिरकत करते हैं। जीवन की एकरसता को तोड़कर जीवंतता की ओर उन्मुख होते हैं। हो सकता है कि एक जनवरी को नया साल मनाने की शुरुआत के अन्य कारणों के साथ यह भी एक बड़ी वजह रही हो क्योंकि पश्चिमी देशों में भारी बर्फबारी सामान्य जनजीवन को जमा देती है। इसके बावजूद लोग नये साल के जश्न में घरों से बाहर निकलते हैं। मकसद यही रहा होगा कि सर्दी को नजरअंदाज करके जीवन में उत्सव व उल्लास का संचरण हो सके। निस्संदेह, पर्व हमें उल्लासित करते हैं। जीवन की एकरसता को तोड़ते हैं। नई ऊर्जा व उत्साह का संचार करते हैं। यही पर्वों की सार्थकता भी है। निस्संदेह, भारत पर्व-त्योहारों का देश है। एक तरह से ये पर्व-त्योहार समाज में सेफ्टीवॉल का काम करते हैं। ऐसे समय में जब करोड़ों लोग मनोकायिक रोगों से जूझ रहे हैं, तो पर्व-त्योहार दवा का भी काम करते हैं। दरअसल, महानगरीय जीवन में व्यक्ति गंभीर रूप से आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। कालांतर वहां जीवन भी एकरसता में बदल जाता है। बिना सामाजिक सक्रियता के जीवन की जीवंतता संभव नहीं है। फिर नया साल हमें आत्ममंथन का एक अवसर भी देता है- बीते वर्ष के घटनाक्रम व उपलब्धियों का मूल्यांकन करने और असफलताओं से सबक सीखकर आने वाले वर्ष के लिये नीतियां बनाने के लिये। बहुत संभव है कि हम अपने संकल्पों की कसौटी पर पूरी तरह खरे नहीं उतरते। लेकिन प्रयास किया जाना भी महत्वपूर्ण है। कुछ प्रतिशत तो हमारी कामयाबी होती है। लेकिन इसके बावजूद नये साल के जश्न में अराजक व्यवहार से हमें परहेज करना चाहिए। नशे का नासूर जिस तरह हमारे समाज में घातक असर दिखा रहा है, उससे बचने के उपक्रम तो किये ही जाने चाहिए।

शक्ति देने वाला परमात्मा कट्टर नहीं, प्रेमी है

(लेखक- संजय गोस्वामी)

कुछ लोग तो अति व्यस्त रहने की शिकायत करते हैं कि वे काम के बोझ से दबे जा रहे हैं। प्रायः अच्छे काम का इनाम और अधिका काम होता है तथा खराब काम करने का इनाम काम न मिलना होता है, किंतु यह शिकायत की बात नहीं है। काम करने से न केवल मानव दक्ष होकर काम पर हावी हो जाता है, बल्कि अन्य लोग भी उसे दक्ष मानकर उससे सलाह लेते हैं और उसका सत्कार करते हैं। काम को बोझ मानने से वह कष्टप्रद एवं शक्तिशोषक हो जाता है तथा रुचि लेने पर वह सुखप्रद बन जाता है। सामान्यतः परिश्रम करके ही अथवा अपने हिस्से का काम करने पर ही आपको भोजन करने का अधिकार है। बिना काम किये हुए धन कमाना, भोजन करना, अनधिकार चेष्टा है। काम तो आपको ही करना है, फिर रोकर क्यों करें, हँसकर क्यों न करें ? अपने कार्य को तुच्छ अथवा छोटा मनाना और अपने-आपको कार्य की अपेक्षा बहुत बड़ा समझना चारित्रिक दोष है। काम को तुच्छ अथवा छोटा मानने से कर्तव्यपालन में शिथिलता आ जायगी जो मानव को निकृष्ट बना देगी। प्रस्तुत लघु कार्य को ठीक प्रकार करने से बड़े काम भी स्वयं मिलेंगे और उन्नति का मार्ग स्वयं खुल जायेगा। लगन से काम करनेवाले मानव को गहरा आत्म-संतोष तो सदा मिलता ही है। शक्ति देने वाला उस परमात्मा भगवान श्री राम या गुरु के आदर्शा पर चलना चाहिए आप सोचते होंगे की किसी के कारण मुझे परेशान हो रही है लेकिन मेरे हाथ में कुछ नहीं है अगर मेरे हाथ मे कुछ होता तो मैं किसी को बचा लेता जो नहीं होता है और वही परमात्मा सबका मालिक हैहैं। दुःख और सुख जीवन के अविभाज्य अंग हैं, और हमें निराशा, अपमान एवं दुःख को जीवन का अपरिहार्य अंग मानकर स्वीकार करना पड़ेगा, अन्यथा हम आगे नहीं बढ़ सकते हैं और शोकसन्तप्त होकर विनष्ट हो जायेंगे। विवशता एवं असाध्यता के साथ समझौता कर लेना, उसे सहर्ष अपना लेना बुद्धिमत्ता है। जीवन में यथार्थता को स्वीकार कर लेना और उसके साथ समायोजन (एडजस्टमेण्ट) करके संतोष धारण कर लेना सुख-शांति की दिशा में एक आवश्यक पग है। यह एक तथ्य है कि हम किसी भी व्यक्ति तथा किसी भी परिस्थिति में पूर्णतः संतुष्ट नहीं होते। समझौता तो पग-पग पर आवश्यक होता है। सुखी एवं स्वस्थ जीवन अपने साथ, परिवार के साथ समझौतों की एक श्रृंखला है। यदि प्रयत्न करने पर भी किसी क्षेत्र में परिस्थिति न सुधरे अथवा प्राकृतिक आघात, दुर्धटना आदि के कारण कोई वास्तविक विवशता हो, तो उसे सहर्ष स्वीकार कर लेना चाहिए और उससे लज्जित अथवा दुःखी होना अव्यावहारिक है। हमें समझ लेना चाहिए की जिन्दगी की बेल के सभी अंगूर मीठे नहीं है; कुछ मीठे है और कुछ खट्टे भी हैं।

मानव एक चलता फिरता पिण्ड है जो स्थूल है, सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड का सहज प्रतिनिधि है और है वह एक सजग व्यवस्था। आत्मरूप में निराकार और सदेह साकार चेतन सत्ता का परम मूल्यवान जीवित प्रतिमा मानव ही तो है। वह एक बौद्धिक समझदार जननायक है जो अपने नैतिक बलबूते समग्र सृष्टि को चरित्र की शिक्षा देता है। अपनी आध्यात्मिक शक्तियों के माध्यम से विराट व्यक्तित्व के विकास की संभावनाओं का संकेत देता है और अपनी शारीरिक क्षमता से श्रम की उपासना का सन्देश देता है। मानव, समाज और संस्कृति की एकीकृत व्यवस्था का आरंभकर्ता है। मानव इस समग्र जैव-प्राकृतिक संरचना का सर्वोत्कृष्ट प्राणी है। जितने वाद और संवाद हैं, सबका जन्मदाता मानव ही है। सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाओं का संस्थापक,प्रबंधनकर्ता और निर्देशक मानव ही है मानव अपने सामाजिक रूप में प्राकृतिक-आध्यात्मिक सह-अस्तित्व की पहचान है और वह सत्य, अहिंसा और प्रेम का सूचक है। वह 'सत्यंशिवं सुन्दरम' में पूर्ण आस्था रखता है। सच्चाई और ईमानदारी उसके सहयात्री हैं, दिव्यता और पवित्रता उसके गुण-धर्म हैं, परन्तु वह प्रदूषित समाजिक मान्यताओं का शिकार हो रहा है ढोंग, आडंबर, तथा अंधविश्वास के प्रति विश्वास के कारण मानव का आज सम्पूर्ण पर्यावरण विषमय हो गया है। मानवता ही एकमात्र धर्म है,शेष मजहब,जो कट्टरता के समर्थक हैं वह एक विकृत मनोवृति है और इस कारण से मानवता रो रही है,विकृत मनोवृति के कारण मानव मस्तिष्क विघटित होकर अर्धविक्षिप्त समाज का सृजन कर रहा है। गन्दे धार्मिक वाद-विवाद के कारण सारा विश्व आतंकवाद के घिनौने जंजीर में जकड़ गया है। मानवीय मूल्य गिरता जा रहा है और इसके लिए मानव का वास्तविक सौन्दर्य क्षत-विक्षत हो रहा है। समझौता जीवन का प्रमुख सिद्धांत है जिसकी बुनियाद इंसानियत और प्रेम पर टिका है, इंसानियत नई राहें दिखाता है। धार्मिक अथवा आध्यात्मिक विचारों का मूल सिद्धांत निराकार, निर्विकार और सर्वशक्तिमान ईश्वर की उपासना है। जीवन का उदगम जनहित के लिए त्याग स्वयं से समझौता भी है। जैसे देश की सेवा के लिए एक सेना का बलिदान देना एक धर्म है, मानव लड़ता आया है जीवन की तमाम चुनौतियों से और आज भी वह संघर्ष का सामना कर रहा है। मानव जैविकीय आवश्यकताएँ उसकी मूल प्रवृत्ति है जिसकी सन्तुष्टि में ही उसका सारा जीवन व्यतीत हो जाता है। सामाजिक जरूरतें मानव जीवन का दूसरा चरण है जहाँ वह अपने को समाज में सुस्थापित करना चाहता है और अन्तिम, किन्तु परम लक्ष्य केन्द्रित जीवन सोपान मानव की आध्यात्मिक आवश्यकताएँ होती हैं जहाँ पहुँच कर ही वह स्वयं को सुस्थापित कर ॐमानवताॐ का सन्देश जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लेता है। आध्यात्मिक संस्कारों से परम परिशुद्ध हो गया यह चित्त। समझौता और प्रेम ही इस पर लगे हुए अतीत के सारे लेप उतर सकते हैं। आगे कोई लेप लगने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि भविष्य के प्रति मन मे अब कोई कामना ही नहीं रह गयी। सारी तृष्णाएं जड़ से उखाड़कर फेंक दी गयीं काम तृष्णा भी, भव तृष्णा भी, विभव तृष्णा भी। सिर्फ कर्म करना ही एकमात्र लक्ष्य हो उसका फल हमें अवश्य मिलेगा,संसार में कोई मनुष्य स्वभावतः किसी के लिए उदार, प्रिय या दुष्ट नहीं होता है।

(चिंतन-मनन)

मृत्यु की चिंता और चिंतन का महत्व

एक महात्मा अपने शिष्यों के साथ जंगल में आश्रम बनाकर रहते थे और उन्हें योगाभ्यास सिखाते थे। वह सत्संग भी करते थे। एक शिष्य चंचल बुद्धि का था। बार-बार गुरु से कहता, आप कहां जंगल में पड़े हैं, चलिए एक बार नगर की सैर करके आते हैं। महात्मा ने कहा, मुझे तो अपनी साधना से अवकाश नहीं है। तुम चले जाओ। शिष्य अकेला ही नगर चला गया। नगर में बाजार की शोभा देखी। मन अति प्रसन्न हुआ। इतने में एक भवन की छत पर निगाह पड़ी। देखा कि एक परम सुंदरी छत पर कपड़े सुखा रही है। बस वह कामदेव के बाण से आहत हो गया। जब शिष्य आश्रम लौटा तो चेले का चेहरा देखकर महात्मा जान गए कि यह बच्चा काम वासना शिकार हो गया है। पूछने पर चेले ने उत्तर दिया - गुरुदेव! हृदय में असहनीय पीड़ा हो रही है। महात्मा बोले, क्या नजर का कांटा हृदय में गड़ गया? चेले ने सारा वृत्तांत कह सुनाया। चेले से गुरुजी ने उस स्त्री का पता पूछा तो पता चला कि वह नगर के एक सेठ की पत्नी है। महात्मा ने एक पत्र के जरिए सेठ को अपनी पत्नी को लेकर आश्रम में एक रात के लिए आने के लिए कहा। सेठ आया तो उसे अलग बैठाकर महात्मा स्त्री को लेकर शिष्य के पास गए और कहा, यह स्त्री रात भर तेरे पास रहेगी, पर ध्यान रखना कि सूर्य निकलते ही तेरा देहांत हो जाएगा। उस स्त्री को सारी बात बता कर आश्वासन दिया कि तुम्हारे धर्म पर कोई आंच नहीं आएगी। इधर चेला रात भर कांपता रहा। सारी वासना काफूर हो गई। सुबह गुरुजी ने पूछा, तेरी इच्छा पूरी हुई? शिष्य ने आपबीती सुना दी। स्त्री को सम्मानपूर्वक सेठ के साथ रवाना कर महाराजजी ने शिष्य से कहा, मृत्यु की चिंता और चिंतन सदा करते रहना चाहिए। यही तुझे बचाएगी।

विचार मंथन

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने हिंसा में सैकड़ों लोगों के मरने के बाद मांगी माफी

(लेखक- सनत जैन)

मणिपुर के मुख्यमंत्री वीरेन सिंह ने बीते साल 2024 के अंतिम दिन मणिपुर की जनता से माफी मांगी है। पिछले 600 दिन से अधिक जाति हिंसा में 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। मणिपुर में जाति हिंसा के कारण पिछले कई महीने से मणिपुर के हजारों नागरिक महिलाएं और बच्चे शिवरों में रह रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आई एम सॉरी कहते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। मणिपुर में पिछले 600 दिनों से दोनों समुदायों के बीच लगातार हिंसा हो रही है। मणिपुर में महिलाओं को नंगा करके घुमाया गया। हजारों लोग अपनी जान बचाने के लिए शिवरों में जाकर रहने के लिए विवश हुए हैं। अभी भी हिंसा का दौर थमा नहीं है। केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री ने राजनीतिक हितों के संवर्धन के लिए मणिपुर राज्य को हिंसा में सुनिश्चित रूप से सोची-समझी रणनीति के तहत झोंक दिया। अनेक चर्च जला दिए गए। एक समुदाय विशेष को शक्तिशाली बनाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जो खेल खेला गया, उसके कारण पिछले 20 महीने से मणिपुर में लगातार हिंसा हो रही है। पुलिस में सैकड़ों मामले हिंसा के दर्ज हैं। मणिपुर में 500 बार से अधिक गोलीबारी और आपसी मुठभेड़ में सैकड़ों नागरिक मारे गए हैं। सरकारी दफ्तर खाली पड़े हुए हैं। मैतई समुदाय के इलाके में कुकी समुदाय के सरकारी कर्मचारी काम करने के लिए नहीं पहुंच रहे हैं। इसी तरह कुकी समुदाय के बीच मैतई समुदाय के सरकारी कर्मचारी काम करने नहीं जा पा रहे हैं। यही स्थिति पुलिस थानों की है। यही स्थिति अस्पतालों की है। सुंदर एवं शांत मणिपुर वर्तमान में अशांति का टापू बना हुआ है। इसका असर पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों पर भी पड़ रहा है। कहा जाता है, मणिपुर में केंद्र सरकार ने डबल इंजन की सरकार बनाने के लिए वीरेन सिंह को अपना प्यादा बनाया था। मणिपुर में संघ के अनुवांशिक संगठनों ने जाति अलगाव पैदा करने का काम शुरू किया। हिंदू और ईसाई समुदाय के बीच में जानबूझकर आरक्षण के नाम पर तनाव बढ़ाया गया। जिसके कारण बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। राजनीतिक हल्कों में कहा जा रहा है कि मणिपुर में निर्वाचित सरकार के नाम पर जोड़-तोड़ करके डबल इंजन की सरकार बनाई गई थी। वीरेन सिंह भले मुख्यमंत्री हैं, लेकिन सही मायने में सारे निर्णय केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा मणिपुर के बारे में लिए जाते हैं। अनसुईया उईके यहां की पहले राज्यपाल थीं। वो आदिवासी समुदाय से आतीं थीं, उन्होंने शांति बनाने का बहुत प्रयास किया। उन्हें काम करने का मौका नहीं दिया गया। जिसके कारण मणिपुर आज सबसे अशांत राज्य के रूप में देश और दुनिया में पहचाना जा रहा है। बहरहाल मुख्यमंत्री वीरेन सिंह ने माफी मांग कर शांति स्थापना की दिशा में एक नई शुरुआत की है। दोनों समुदायों के बीच समन्वय बनाने के लिए, बिना किसी स्वार्थ के यदि प्रयास किए जाएंगे तो निश्चित रूप से मणिपुर में शांति स्थापित करने में मदद मिलेगी। जब तक केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इस मामले में खुद पहल नहीं करेंगे, तब तक शांति स्थापित नहीं हो सकती है। अमित शाह को मणिपुर में हुई हिंसा के लिए माफी मांगते हुए शांति स्थापित करने का वास्तविक प्रयास करना होगा तभी जाकर मणिपुर में शांति स्थापित हो सकती है। मणिपुर में मुख्यमंत्री दोनों समुदायों के बीच में अपनी विश्वसनीयता और लोकप्रियता को खो चुके हैं। मुख्यमंत्री वीरेन सिंह की माफी से वहां सकारात्मक रुख देखने को मिलेगा। बदली हुई, मुख्यमंत्री की माफी को राजनीतिक स्थिति से जोड़कर देखा जा रहा है। मणिपुर के विधायक और दोनों समुदाय की जनता मुख्यमंत्री से नाराज है। वीरेन सिंह अपने ही मैतई समुदाय की नाराजी का सामना कर रहे हैं। मणिपुर में दोनों समुदाय के लोग विशेष रूप से महिलाएं और बच्चे काफी परेशान हैं। ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री वीरेन सिंह ने माफी मांगकर, बातचीत का रास्ता खोलने का प्रयास किया है, वर्तमान स्थिति में यह सही कदम है। सत्ता के सभी सूत्र केंद्रीय गृह मंत्रालय से जुड़े हुए हैं। ऐसी स्थिति में यही कहा जा सकता है कि जब तक केंद्रीय गृह मंत्रालय मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए ईमानदारी के साथ पहल नहीं करेगा, तब तक मणिपुर में शांति स्थापित होना मुश्किल है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण केंद्र सरकार को मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए विशेष प्रयास करने होंगे। सर्वदलीय राजनेताओं का प्रतिनिधिमंडल बनाकर मणिपुर ले जाना उचित होगा। तभी इसके सार्थक परिणाम मिल सकेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

साल के पहले दिन भी रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को साल के पहले दिन तीन पैसे की गिरावट के साथ ही सबसे निचले स्तर 85.64 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया एक समया पहले सत्र में गिरावट के साथ 85.69 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार ब्याज दरों में कटौती को लेकर फेडरल रिजर्व के सतर्क रुख तथा अमेरिकी 10 साल के बॉण्ड प्रतिफल में मजबूती से रुपया लगातार दबाव में है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.63 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 85.69 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे की गिरावट के साथ 85.61 के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था।

काले और नीले रंग की कारों के ग्राहकों की संख्या बढी

नई दिल्ली । भारत में काले और नीले रंग की कारों के खरीददारों की संख्या बढती जा रही है। इससे पता चलता है कि इन रंगों की कारों की लोकप्रियता अब बढ़ी है, और इन रंगों को खरीदने वाले ग्राहकों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। वर्ष 2021 में काले रंग की कारों का खरीदी प्रतिशत 14.8 प्रतिशत था, जो अब 2024 में बढ़कर 20.2 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह, नीले रंग की कारों की लोकप्रियता भी बढ़ी है। 2021 में नीले रंग की कारों का हिस्सा 8.8 प्रतिशत था, जो 2024 में बढ़कर 10.9 प्रतिशत हो गया है। हालांकि गहरे रंगों की कारों की लोकप्रियता बढ़ी है, सफेद रंग की कारें अब भी भारत में सबसे अधिक पसंद की जाती हैं। 2021 में सफेद कारों की खरीददारी 43.9 प्रतिशत थी, जो 2023 में घटकर 39 प्रतिशत हो गई थी। लेकिन 2024 में सफेद रंग की कारों की मांग फिर से बढ़ी है, और अब ये बाजार में 39.3 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती हैं। ह्युंडै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने इस बदलाव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि काले रंग की कारों की लोकप्रियता में बढ़ोतरी हुई है। 2021 में एचएमआईएल के घरेलू बिक्री में काले रंग की कारों का हिस्सा 9 प्रतिशत था, जो 2024 में बढ़कर 19 प्रतिशत हो गया है। हालांकि, सफेद रंग की कारें अब भी कंपनी की घरेलू बिक्री का बड़ा हिस्सा बनी हुई हैं, और पिछले चार वर्षों में इनकी हिस्सेदारी 54 प्रतिशत रही है। इसके साथ ही, गहरे हरे रंग की कारों की लोकप्रियता भी बढ़ी है। 2021 में इस रंग की केवल 1 प्रतिशत कारें बिकी थीं, जबकि 2024 के पहले 11 महीनों में इसकी बिक्री 5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। तरुण गर्ग के अनुसार, युवाओं में नए रंगों को अपनाने का रुझान बढ़ रहा है, और एसयूवी वाहनों की बढ़ती मांग के कारण गहरे रंगों की कारों की बिक्री में भी अच्छी वृद्धि देखी जा रही है। जैटो डायनैमिक्स के आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय उपभोक्ताओं का रंग चयन वैश्विक रुझान के अनुरूप बदल रहा है। बीएएसएफ की जनवरी रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर काले रंग की कारों की लोकप्रियता 2022 में 18 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 21 प्रतिशत हो गई, जबकि सफ़ेद रंग की कारों की हिस्सेदारी घटकर 36 प्रतिशत रह गई।

पांच प्रमुख कंपनियां इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में

नई दिल्ली ।

देश की पांच प्रमुख कंपनियां मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स, टोयोटा और महिंद्रा एंड महिंद्रा अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने की तैयार कर रही हैं। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए साल 2025 क्रांतिकारी साबित होने वाला है।

यह नई पीढ़ी की गाड़ियां अत्याधुनिक तकनीक, लंबी रेंज और बेहतरीन फीचर्स के साथ बाजार में उतारी जाएंगी। हुंडई अपनी मशहूर एसयूवी क्रेटा का इलेक्ट्रिक वर्जन पेश करेगी। यह 5-सीटर ईवी एक बार चार्ज करने पर 450 किलोमीटर की रेंज देने का वादा करती है। इसका इंटीरियर और एक्सटीरियर मौजूदा क्रेटा जैसा होगा लेकिन ईवी-स्पेसिफिक टच के साथ इसे और आकर्षक बनाया जाएगा। जापानी कंपनी टोयोटा अपनी अर्बन क्रूजर ईवी लॉन्च करेगी, जो मारुति की ई-विटारा के डेरिवेट के रूप में पेश की जाएगी। यह इलेक्ट्रिक एसयूवी 500 किलोमीटर से अधिक की रेंज के साथ दो बैटरी विकल्पों में उपलब्ध होगी।

मारुति सुजुकी भी अपनी बहुप्रतीक्षित मारुति सुजुकी ई विटारा पेश करने जा रही है, जिसमें दो बैटरी पैक और 500 किलोमीटर तक की रेंज होगी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा, जो एसयूवी मार्केट में पहले से ही अग्रणी है, अब अपनी एक्सयूवी3एक्सओ ईवी के जरिए इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में प्रवेश करेगी। यह एसयूवी 400 किलोमीटर की रेंज और आधुनिक फीचर्स के साथ आएगी। टाटा मोटर्स भी अपनी हैरियर का इलेक्ट्रिक वर्जन लॉन्च करेगी। टाटा हेरियर ईवी सिंगल और डुअल मोटर कॉन्फिगरेशन में आएगी, जिसकी रेंज 500 किलोमीटर से अधिक होगी। इन नई इलेक्ट्रिक एसयूवी की लॉन्चिंग से न केवल ईवी बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, बल्कि ग्राहकों को भी बेहतर विकल्प मिलेंगे।

जल्द लांच होगी रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750

नई दिल्ली । हाल ही में रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750 बाइक को दक्षिणी यूरोप में टेस्टिंग के दौरान देखा गया, और इसकी तस्वीरों से यह स्पष्ट हो रहा है कि यह बाइक जल्द ही बाजार में आ सकती है। रॉयल एनफील्ड के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित हिमालयन 750 अब प्रोडक्शन के करीब है। हालांकि, इसकी आधिकारिक लॉन्चिंग 2026 में होने की संभावना जताई जा रही है। वर्तमान में इसे कंपनी प्रोजेक्ट आर2जी के नाम से पहचान रही है। नई हिमालयन 750 का डिजाइन पिछली बाइक्स से अलग और ज्यादा एडवांस है। इसमें 19 इंच फ्रंट और 17 इंच रियर स्पोक व्हील सेटअप होगा, जो कि एडजस्टेबल अपसाइड-डाउन फोर्क्स और मोनोशॉक के साथ आएगा। साथ ही, इसमें ड्यूल फ्रंट डिस्क ब्रेक सेटअप मिलेगा, जिसमें बॉब्रे कैलिपर्स का उपयोग किया जाएगा। यह रॉयल एनफील्ड का अब तक का सबसे एडवांस ब्रेकिंग सिस्टम होगा, जो बाइक के राइडिंग अनुभव को और बेहतर बनाएगा। बाइक में नया फ्रंट काउल और बड़ी विंडस्क्रीन भी दी गई है, जो इसे एडवेंचर और टूरिंग के लिए आदर्श बनाती है। इसमें बड़ा टीएफटी डिस्प्ले, गियर पोजिशन इंडिकेटर, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और नेविगेशन जैसी आधुनिक सुविधाएं भी होंगी। नई हिमालयन 750 में एक नया 750सीसी ट्विन-सिलेंडर इंजन होगा, जो मौजूदा 650सीसी इंजन का ज्यादा पावरफुल वर्जन होगा। यह इंजन 50+ बीएचपी और 55+ एनएम टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा, और इसे 6-स्पीड ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा जाएगा।

साल के पहले दिन शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ नए साल के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल मारुति सुजुकी सहित कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में उछाल से आया है। आज सुबह कारोबार की मिली जुली शुरुआत हुई पर समय बढ़ने के साथ ही बाजार में खरीददारी बढ़ने से तेजी आने लगी। कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 368.40 अंक करीब 0.47 फीसदी ऊपर आकर 78,507.41 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 98.10 अंक तकरीबन 0.41 फीसदी बढ़कर 23,742.90 अंक पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 23 शेयरों में तेजी रही जबकि 7 शेयर नीचे आये। इनमें से मारुति सुजुकी का शेयर 3.26 फीसदी की बंपर उछाल के साथ 11221.20 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर बंद हुआ। वहीं मारुति के अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फानइंस, एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक, पावरग्रिड, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी उछले हैं। दूसरी ओर टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स, जोमैटो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टेक महिंद्रा और नेस्ले इंडिया के शेयर गिरे हैं। निफ्टी के 37 शेयर लाभ में रहे, जबकि 13 शेयरों में गिरावट रही। लाभ में रहने वाले शेयरों में मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस और टाटा मोटर्स के शेयर शामिल हैं। जिन कंपनियों के शेयर नुकसान में रहे, उनमें हिंडाल्को, डॉ रेड्डीज, अदाणी पोर्ट्स, ओएनजीसी और टाटा स्टील शामिल हैं। वहीं एशिया के दूसरे बाजारों की बात करें, तो नए साल के अवसर पर जापान के निक्केई 225, दक्षिण कोरिया के कॉस्पी, हांगकांग के हैंगसेंग और चीन के शंघाई कंपोजिट बंद रहे जबकि यूरोपीय बाजारों में भी कोई कामकाज नहीं हुआ। गत दिवस अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे वहीं इससे पहले बाजार की नये साल के पहले दिन सुबह मिली-जुली शुरुआत हुई। सुबह कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 126 अंकों के लाभ के साथ ही 78265 के लेवल पर खुला जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 23 अंकों की गिरावट के साथ 23621 पर खुला है। कारोबार के दौरान बजाज ऑटो, आईसीआईसीआई बैंक, डॉक्टर रेड्डी, जेएसडब्ल्यू स्टील और अडानी पोर्ट्स के शेयर नीचे आये हैं जबकि अपोलो हॉस्पिटल, अडानी एंटरप्राइजेज, एशियन पेंट्स, एलएंडटी के शेयर उछले हैं। गिफ्ट निफ्टी टुडे गिफ्ट निफ्टी 23,733 के स्तर के आसपास कारोबार कर रहा था, निफ्टी फ्यूचर्स के पिछले बंद से लगभग 72 अंकों की गिरावट है, जो भारतीय शेयर बाजार सूचकांकों के लिए नकारात्मक शुरुआत का संकेत दे रहा था।

जनवरी में विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के चलते बाजार लाल निशान पर

मुंबई।

पिछले 6 साल से जनवरी माह में शेयर बाजार में अमूमन गिरावट का ट्रेंड दिख रहा है। बीते 10 साल में 7 मौकों पर जनवरी में निफ्टी नुकसान में दिखाई दिए है। यह गिरावट मुख्य रूप से विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की भारी बिकवाली के चलते देखी गई। 2015 से लेकर 2024 के बीच 6 बार विदेशी निवेशक नेट सेलर्स रहे हैं। पिछले 10 साल जनवरी में निफ्टी का औसत रिटर्न 0.38 प्रतिशत रहा है।

पिछले 3 वर्षों में एफआईआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजार से 87,899 करोड़ रुपए निकाले। इसके पहले जनवरी 2016, 2017 और 2019 में भी एफआईआई नेट सेलर्स थे। हालांकि 2015, 2018, 2020 और 2021 के जनवरी में इन्होंने भारतीय शेयर में खरीदारी की थी।

घरेलू संस्थाओं ने 10 में से 7 साल निवेश बढ़ाया

डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल निवेश (डीआईआई) जनवरी में 10 में से 7 मौकों पर खरीदार रहे। बीते 3 साल जनवरी में इन्होंने 87,899 करोड़ रुपए लगाए हैं। हालांकि 2015, 2020 और 2021 के जनवरी में ये नेट सेलर्स थे। वहीं, 2016 से 2019 तक 4 साल इन्होंने जनवरी में खरीदारी की।

साल के पहले दिन सेंसेक्स में 400 अंक की बढ़त, निफ्टी में 100 अंक की तेजी

शेयर बाजार में बुधवार साल के पहले दिन (1 जनवरी) बढ़त देखने को मिल रही है। सेंसेक्स करीब 400 अंक की बढ़त के साथ 78,650 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 100 अंक से ज्यादा की तेजी है, ये 23,750 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी और 5 में गिरावट देखने को मिल रही है।

2024 में 27 प्रतिशत बढ़े इक्विटी निवेशक

नए निवेशकों के लिहाज से 2024 बेहद शानदार रहा है। इस दौरान बाजार ने कई कीर्तिमान बनाए। बीते साल रिटेल निवेशक सालाना आधार पर 27 प्रतिशत से बढ़कर 11 करोड़ के करीब पहुंच गए। महाराष्ट्र और यूपी में निवेशकों की संख्या पहली बार 1 करोड़ पार निकल गई। हालांकि महिला निवेशकों की भागीदारी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही।

छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरें पहले की तरह रहेंगी

नई दिल्ली ।

अब स्मॉल सेविंग स्कीम्स (छोटी बचत) की ब्याज दरें पहले की तरह ही रहेंगी और इनमें चौथी तिमाही में भी कोई बदलाव नहीं किया गया ह है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल-जून , जुलाई-सितंबर और अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया था। यानी पब्लिक प्रोविडेंट फंड नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट और किसान विकास पत्र सहित सभी स्मॉल सेविंग स्कीम्स पर मिलने वाले ब्याज दर अपरिवर्तित रहेंगी। अभी पब्लिक प्रोविडेंट फंड पर 7.1 फीसदी और सुकन्या समृद्धि योजना पर 8.2 फीसदी ब्याज दर मिलती है। सरकार छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों पर फैसला लेने से पहले देश की तरलता स्थिति और महंगाई को ध्यान में रखती है। हालांकि सरकार छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों की हर तीन महीने पर समीक्षा करती है। स्मॉल सेविंग्स स्कीमों पर ब्याज दरें 4 फीसदी से 8.2 फीसदी के बीच हैं। सरकार ने दिसंबर 2023 में ब्याज दरों में बढ़ौतरी की है। स्मॉल सेविंग्स स्कीम की ब्याज दरों का हर तिमाही में रिव्यू होता है।

नए साल 2025 में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कई चुनौतियां संभल कर करें निवेश

नई दिल्ली। नए साल की शुरुआत में निवेश करना शानदार समय होता है। इससे पूरे साल अपने निवेश का ट्रैक रखने में आसानी होती है। 2025 में अंतरराष्ट्रीय बाजार में व्यापारिक तनाव, भू-राजनीतिक मुद्दे, मजबूत डॉलर और अन्य चुनौतियां देखने को मिल सकती हैं। भारतीय बाजार घरेलू आर्थिक स्थिरता और सही रणनीति से इन चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। हीरो मोटोकॉर्प (टारगेट प्राइसः 5324 रुपए) मौजूदा कीमतः 4161.50 रुपए। दोपहिया वाहनों की बढ़ती मांग, नए मॉडल लॉन्च, और बेहतर शहरी-ग्रामीण संतुलन इमसें संभावित बढ़ोतरी 25 फीसदी है। नेशनल एलुमीनियम कंपनी का टारगेट प्राइस 256 रुपए है। एलुमीनियम की ऊंची कीमतें, परिचालन दक्षता, और कोयले का बेहतर उपयोग है इसमें संभावित बढ़ोतरी 20 फीसदी रह सकती है। सोनाटा सॉफ्टवेयर का टारगेट प्राइस 714 रुपए का है। एआई और क्लाउड सेवाओं पर फोकस, बड़े सौदों की पाइपलाइन में संभावित बढ़ोतरी 16 फीसदी। अशोक लेलैंड टारगेट प्राइस 250 रुपए के साथ वाणिज्यिक वाहनों की बढ़ती मांग, लागत नियंत्रण इसकी संभावित बढ़ोतरी 14 फीसदी और ऑयल इंडिया टारगेट प्राइस 600 रुपए है। परिचालन सुधार, ऊर्जा की बढ़ती मांग। इसमें संभावित बढ़ोतरी 41 फीसदी है। बाजार में उतार-चढ़ाव का ध्यान रखें। लंबी अवधि के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के आधार पर निवेश करें।

एअर इंडिया की कुछ घरेलू फ्लाइट्स में अब वाई-फाई की सुविधा भी

मुंबई ।

एअर इंडिया की कुछ घरेलू फ्लाइट्स में अब वाई-फाई की सुविधा मिलेगी। फिलहाल ये सर्विस एयरबस, बोइंग 787-9 और कुछ ए321 निओ विमानों में ही मिलेगी। एअर इंडिया घरेलू फ्लाइट्स में वाई-फाई इंटरनेट सर्विस देने वाली देश की पहली एयरलाइन बन गई है।

इंट्रोडक्टरी पीरियड के लिए वाई-फाई फ्री है और समय के साथ धीरे-धीरे इसे बेड़े के अन्य विमानों में शामिल किया जाएगा। इन-फ्लाइट वाई-फाई 10,000 फीट से ऊपर होने पर एक साथ कई डिवाइस कनेक्ट करने की अनुमति देगा। ये सर्विस सैटेलाइट कनेक्टिविटी और गवर्नमेंट रेस्ट्रिक्शन्स जैसे फैक्टर्स पर निर्भर करेगी।

अभी तक वाई-फाई सर्विस एयरबस ए350, चुनिंदा एयरबस ए321 नियो और बोइंग बी787-9 विमानों में पायलट प्रोग्राम के तहत इंटरनेशनल रूट पर मिलती थी। सक्सेसफुल पायलट रन के बाद अब सर्विस को घरेलू रूट पर शुरू किया जा रहा है।

डिवाइस में वाई-फाई ऑन करने के बाद एअर इंडिया वाई-फाई नेटवर्क सिलेक्ट करें, नेटवर्क सिलेक्ट करने के बाद डिवाइस के ब्राउजर में एअर इंडिया पोर्टल ओपन होगा, पीएनआर और लास्ट नेम जैसी जानकारी भरने के बाद इंटरनेट एक्सेस कर सकते है।

एअर इंडिया के प्रमुख ग्राहक अनुभव ऑफिसर ने बताया कि कनेक्टिविटी अब मॉडर्न ट्रैवल का एक अभिन्न अंग है। कुछ के लिए, यह रियल-टाइम शेयरिंग करने की सुविधा और कंफर्ट के बारे में है, जबकि अन्य के लिए, यह ज्यादा प्रोडक्टिविटी और एफिशिएंसी के बारे में है। उद्देश्य जो भी हो, हमें विश्वास है कि हमारे गेस्ट वेब से जुड़ने के विकल्प की सराहना करते और इन विमानों में एअर इंडिया के नए अनुभव का आनंद ले सकते है।

एयरक्राफ्ट एंटीना- हवाई जहाज में एक स्पेशल एंटीना होता है जिसे डेटा सिग्नल भेजने और रिसीव करने के लिए तैयार किया गया है। यह एंटीना आमतौर पर हवाई जहाज के टॉप पर स्थित होता है और जमीन पर स्थित सेलुलर टावरों या सैटेलाइट से जुड़ता है।

किसी भी बैंक से निकाल सकते हैं पेंशन

नए साल में 10 बड़े वित्तीय परिवर्तन

नई दिल्ली ।

1 जनवरी 2025 से कई बड़े वित्तीय बदलाव किए गए हैं।इसमें पेंशनर को सबसे ज्यादा लाभ है।इसके साथ ही किसानों को बिना गारंटी दो लाख रुपए लोन की सीमा को बढ़ाया गया है। यूपीआई के माध्यम से अब 10000 रूपये तक का भुगतान किया जा सकता है।

- फीचर फोन यूजर्स के लिए यूपीआई के माध्यम से लेनदेन की सीमा को 5000 से बढाकर 10000 कर दिया गया है। यूपीआई लाइट के लिए भी प्रति लेनदेन अधिकतम सीमा 500 रूपये से बढ़कर 1000 रूपये कर दी गई है।
- किसान बिना किसी गारंटी के अब 200000 रूपये तक का लोन ले सकेंगे। पहले यह सीमा 1.6 लाख थी।
- ईपीएफओ के 78 लाख से ज्यादा पेंशन भोगी किसी भी बैंक की ब्रांच से अपनी पेंशन निकाल सकेंगे।
- 1 जनवरी से मारुति सुजुकी हुंडई महिंद्रा ऐंड महिंद्रा और अन्य वाहन की कीमतें 2 से 4 फीसदी तक महंगी हो जाएंगी।
- बैंक और एनबीएएफसी वित्तीय संस्थाओं को अब एक माह के स्थान पर हर 15 दिन में क्रेडिट स्कोर को अपडेट करना होगा।
- जीएसटी पोर्टल पर एक्सेस के लिए अब कारोबारी को ओटीपी जैसे मल्टी फैक्टर पहचान को जरूरी बनाया गया है।
- जीएसटी के ई वे बिल अब 180 दिनों के भीतर जारी किए गए दस्तावेज के आधार पर ही बनाने की अनुमति होगी।
- बीएससी और बैंक के सेंसेक्स के साप्ताहिक अनुबंध को शुक्रवार के स्थान पर मंगलवार कर दिया गया है।
- राशन प्राप्त करने वाले लाभार्थियों ने 31 दिसंबर 2024 तक अपना केवाईसी अपडेट नहीं कराया है। उनके राशन कार्ड रद्द हो गए हैं। अब उन्हें राशन नहीं मिलेगा।
- अमेरिका के इमिगरेंट वीजा के लिए एक बार अपॉइंटमेंट रीशेड्यूल करने पर अब अलग से शुल्क नहीं लगेगा।

व्हाट्सएप करेगा यूपीआई सर्विस का विस्तार, यूजर्स कर सकेंगे आसानी से पेमेंट

-एनपीसीआई ने व्हाट्सएप पे पर लगी यूपीआई यूजर्स की लिमिट हटाई

नई दिल्ली।

व्हाट्सएप यूज करने वाले यूजर्स के लिए नए साल के शुरुआत होते ही गुड न्यूज आई है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने व्हाट्सएप पे पर लगी यूपीआई यूजर्स की लिमिट हटा दी है। एनपीसीआई ने कहा है कि इस सीमा को हटाए जाने के साथ ही व्हाट्सएप पे अब भारत में अपने सभी यूजर्स तक यूपीआई सर्विसेज का विस्तार कर सकेगा।

इससे पहले एनपीसीआई ने व्हाट्सएप पे को चरणबद्ध तरीके से अपने यूपीआई यूजर बेस का विस्तार करने की इजाजत दी थी। पहले यह सीमा 10 करोड़ यूजर्स तक थी जिसे एनपीसीआई ने अब हटा दिया है। एनपीसीआई ने व्हाट्सएप पे पर यूजर्स को जोड़ने की सीमा पर लगी पाबंदी हटा दी है। हालांकि व्हाट्सएप पे इस समय थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर्स पर लागू सभी यूपीआई दिशा-निर्देशों और परिपत्रों का पालन करना जारी रखेगा। एनपीसीआई भारत में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस स्ट्रक्चर को कंट्रोल करता है। यह देश में खुदरा भुगतान और निपटान प्रणाली (आईबीए) के संचालन की मूल इकाई है। व्हाट्सएप के भारत में 50 करोड़ से भी ज्यादा यूजर्स हैं।

इसके लिए आपके स्मार्टफोन पर व्हाट्सएप का लेटेस्ट वर्जन होना चाहिए। व्हाट्सएप खोलिए और पेमेंट्स सेक्शन में जाइए। ऐड पेमेंट मेथड सेलेक्ट कीजिए। अपना बैंक चुनिए और इससे जुड़ा फोन नंबर एंटर कीजिए। व्हाट्सएप को एसएमएस भेजने और रिसीव करने की अनुमति दीजिए। इसके बाद अपना अकाउंट वेरिफाई करने के लिए यूपीआई पिन डाल दीजिए। एक बार आपका अकाउंट वेरिफाई होने के बाद आप किसी को भी पैसा भेज सकते हैं।

गुजरात की कंपनी ने पांच साल में निवेशकों को बना दिया करोड़पति

शेयरों में लगा रहा अपर सर्किट, कंपनी का मार्केट कैप 1.71 हजार करोड़

नई दिल्ली।

साल 2024 के आखिर दिन जहां शेयर मार्केट में गिरावट देखने को मिली वहीं कुछ शेयरों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। ऐसे ही एक शेयर में मंगलवार को अपर सर्किट लगा। इसने निर्वेशकों को पांच साल से भी काफी कम समय में करोड़पति बना दिया है। इस शेयर का नाम है मर्करी ईवी-टेक लिमिटेड।

यह गुजरात की कंपनी है। इस कंपनी के शेयर में मंगलवार को पांच फीसदी का अपर सर्किट लगा।

शेयर की कीमत 90 रुपए हो गई है। कंपनी का मार्केट कैप 1.71 हजार करोड़ रुपए है।

पिछले 6 महीने में इस कंपनी के शेयर ने निवेशकों को 26.57 फीसदी का फायदा दिया है। वहीं एक साल के रिटर्न को देखें तो इसने निवेशकों का नुकसान किया है। एक साल में इसमें 22.78 फीसदी की गिरावट आई है। पिछले एक साल में इस शेयर ने बेशक निवेशकों का नुकसान किया हो, लेकिन तीन साल में इसने करोड़पति बना दिया है। 31 दिसंबर 2021 को इसके शेयर की कीमत 85 पैसे थी। अब इसकी कीमत बढ़कर 90 रुपए हो गई है। ऐसे में तीन वर्षों में इसने 10493 फीसदी रिटर्न दिया है।

तीन साल पहले इसमें अगर एक लाख रुपए निवेश किए होते तो आज उनकी वैल्यू एक करोड़ रुपए ज्यादा होती यानी आप एक लाख रुपएनिवेश करके तीन साल में करोड़पति बन चुके होते।

इस शेयर ने पांच साल में 25625 फीसदी रिटर्न दिया है। पांच साल पहले इसके शेयर की कीमत मात्र 35 पैसे थी। अगर आपने पांच साल पहले इसमें एक लाख रुपए निवेश किए होते तो आज उनकी वैल्यू ढाई करोड़ रुपए से ज्यादा होती।

विश्लेषण में दिए सुझाव व्यक्तिगत विश्लेषकों या ब्रोकिंग कंपनियों के हैं, एनबीटी के नहीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब मुझे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की कमी महसूस नहीं होती : धोनी

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने का कहना है कि उन्हें अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की कमी महसूस नहीं होती है। पहली बार अपने संन्यास को लेकर धोनी ने कोई बात कही है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि पहले उन्हें लगता था कि मुझे और समय मिलेगा पर अब नहीं। मैं हमेशा मानता हूं कि आप कुछ सोच समझ कर अपने फैसले लेते हैं। उन्होंने कहा कि एक बार जब आपने फैसला ले लिया तो उसके बारे में सोचने का कोई अर्थ नहीं है। इसलिए मैं भगवान की कृपा से अपने देश के लिए जो कुछ भी कर पाया उससे बहुत खुश हूं। साथ ही कहा कि उन्होंने इस खेल से देश को गौरवान्वित करने की अपनी भूमिका निभा ली है। उन्होंने कहा कि पहले मैंने सोचा था कि मुझे और समय मिलेगा पर यह थोड़ी निराशा की बात है कि मुझे ज्यादा समय नहीं मिला।

धोनी ने कहा कि संन्यास से लाभ भी हुआ है। अब मैं दोस्तों के साथ काफी समय बिता पाता हूं। मैं काफी अधिक मोटरसाइकिल सवारी कर सकता हूं। यह हालांकि लंबी यात्रा नहीं होती है। यह मुझे अच्छी लगती है। धोनी ने कहा कि यह अच्छा रहा, परिवार के साथ समय बिता पा रहा हूं। धोनी ने 60 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिनमें से उन्होंने 27 बार जीत हासिल की, 18 हारे और 15 ड्रा रहे। 45.00 के जीत प्रतिशत के साथ, वह सभी प्रारुपों में भारतीय टीम के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं।

धोनी की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान तक पहुंचा था। वह इतिहास में एकमात्र कप्तान है जिन्होंने आईसीसी के सभी तीन सीमित ओवरों के खिताब 2007 में टी20 विश्व कप, 2011 में एकदिवसीय विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीते हैं। धोनी ने 200 एकदिवसीय मैचों में भारत की कप्तानी की। भारतीय टीम ने इसमें 110 मैच जीते, 74 हारे और पांच मैच ड्रा रहे। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 74 मैचों में भारत का नेतृत्व किया और टीम को 41 जीत दिलाई।धोनी ने जीवन में अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और करीबी दोस्तों को दिया है। संन्यास के बाद भी अब वह केवल आईपीएल ही खेलते हैं।

दो बार की ओलंपिक चैंपियन बीट्राइस चेबेट ने तोड़ा अपना ही विश्व रिकॉर्ड

बार्सिलोना (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक चैंपियन बीट्राइस चेबेट ने महिलाओं की पांच हजार मीटर की दौड़ का अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़कर कर्सा डेल्स नैसोस रोड रेस का खिताब जीता। बार्सिलोना में हुई इस दौड़ को 24 वर्षीय केन्याई खिलाड़ी ने 13 मिनट और 54 सेकंड में पूरा किया।

पेरिस ओलंपिक में पांच हजार मीटर और 10 हजार मीटर में स्वर्ण जीतने वाली चेबेट ने इसी दौड़ में एक साल पहले बनाए गए अपने पिछले रिकॉर्ड को 19 सेकंड से पीछे छोड़ दिया। दौड़ के बाद चेबेट ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं क्योंकि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ। मुझे लगा कि मैं 14 मिनट से कम समय में दौड़ सकती हूं और मैं ऐसा करने में सफल रही। बार्सिलोना में दो दौड़ और दो विश्व रिकॉर्ड, क्या मैं इससे अधिक की उम्मीद कर सकती हूं।'

उन्होंने कहा, 'मेरा ध्यान अगले वर्ष टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में पांच हजार मीटर और 10 हजार मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने पर है।'

ऑस्ट्रेलिया का भी डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचना अभी तक पक्का नहीं

मेलबर्न (एजेंसी)। बॉक्सिंग डे टेस्ट में हार से जहां भारतीय क्रिकेट टीम के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। वहीं मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम पर खतरा अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। अगर भारत सिडनी में ऑस्ट्रेलिया को ड्रॉ पर रोक देता है और उसके बाद श्रीलंका सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम को दोनो ही टेस्ट में हरा देती है तो श्रीलंका की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाएगी और ऑस्ट्रेलिया बाहर हो जाएगी।

मेलबर्न में हार से भारतीय टीम के अंक प्रतिशत तालिका में 55.89 से गिरकर 52.78 हो गए है जबकि ऑस्ट्रेलिया के नाम पर अब 61.46 प्रतिशत अंक हैं।

वहीं पाकिस्तान पर जीत से दक्षिण अफ्रीका ने पहले ही डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। भारतीय टीम अगर सिडनी में जीत दर्ज करती है तो उसके 55.26 प्रतिशत अंक हो जाएंगे और ऑस्ट्रेलिया के 54.26 प्रतिशत अंक रह जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया अगर श्रीलंका में एक भी टेस्ट जीत लेता है तो उसकी डब्ल्यूटीसी फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से टक्कर तय हो जाएगी। मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया की जीत ने उसकी डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को बढ़ाया है और टीम अगले साल लार्ड्स में होने वाले फाइनल में जगह बनाने से केवल एक जीत दूर है।

भारतीय टीम ने 2024-25 सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए बांग्लादेश को स्वदेश में 2-0 से हराया था। इसके बाद हालांकि भारत का अभियान पटरी से उतर गया। टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ स्वदेश में तीन मैच की श्रृंखला में 0-3 से करारी का सामना करना पड़ा और अब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम 1-2 से पिछड़ रही है। रोचक बात यह है कि सिर्फ भारत के ऊपर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले से बाहर होने का खतरा नहीं है, बल्कि ऑस्ट्रेलिया भी बाहर हो सकता है। अगर भारत मेजबान को सिडनी में ड्रॉ खेलता है और उसके बाद पैट कमिंस की टीम श्रीलंका में दोनों टेस्ट हार जाए तो श्रीलंकाई टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाएगी।

बुमराह ने गेंदबाजी रैंकिंग में हासिल किए सबसे ज्यादा अंक, अश्विन का रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी की गई रैंकिंग में गेंदबाजी में 907 रेटिंग अंक का आंकड़ा छूकर नया भारतीय रिकॉर्ड बनाया। बुमराह ने हाल में संन्यास लेने वाले स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2016 में 904 अंकों की अपनी सर्वोच्च रेटिंग हासिल की थी।

बुमराह ने हाल में अश्विन की बराबरी की थी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन के दम पर वह नया भारतीय रिकार्ड बनाने में सफल रहे। बुमराह 907 रेटिंग अंकों के साथ सर्वकालिक सूची में इंग्लैंड के डेरेक अंडरवुड के साथ संयुक्त

17वें स्थान पर हैं। इस तेज गेंदबाज ने बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में नौ विकेट हासिल किए थे जिससे उन्होंने गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की। भारत हालांकि इस मैच में हार गया था।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने एमसीजी में अपने छह विकेटों के दम पर 15 रेटिंग अंक हासिल किए जिससे वह एक पायदान चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। कमिंस ने चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की 184 रन की जीत के दौरान दो पारियों में 90 महत्वपूर्ण रन बनाने के बाद टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में भी तीसरा स्थान हासिल किया।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की पहली पारी में 82 रन की पारी ने उन्हें 854 रेटिंग अंकों के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी के पहले टेस्ट शतक ने उन्हें टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में 20 स्थान ऊपर 53वें नंबर पर पहुंचा दिया।

जोकोविच ने कोच एंडी मर्रे के साथ मिलकर बनाई रणनीति, नए खिलाड़ियों को देंगे चुनौती

ब्रिस्बेन। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच वर्ष 2024 में पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक के रूप में एकमात्र खिताब जीत पाए थे लेकिन अब उन्होंने नए कोच एंडी मर्रे के साथ मिलकर यानिक सिनर और कार्लोस अल्कराज जैसे युवा खिलाड़ियों से मुकाबला करने के लिए नई रणनीति तैयार की है। वर्तमान में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी 23 वर्षीय सिनर ने बीते साल ऑस्ट्रेलियाई और अमेरिकी ओपन तथा 21 वर्षीय अल्कराज ने विंबलडन और फ्रेंच ओपन में पुरुष एकल के खिताब जीते थे। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में अपने पहले दौर का मैच जीतने के बाद 37 वर्षीय जोकोविच ने कहा कि उन्होंने 12 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले मर्रे के साथ मिलकर अपने युवा प्रतिद्वंदियों के वीडियो देखकर उनके खेल का आकलन किया है। अपने 100वें एटीपी खिताब की कवायद में लगे जोकोविच ने ऑस्ट्रेलिया के वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले रिंकी हिजिकाटा को 6-3, 6-3 से हराने के बाद कहा कि वह मर्रे साथ मिलकर अपने खेल में छोटे-छोटे बदलाव करेंगे। जोकोविच ने कहा, 'मैं अपने खेल में आमूलचूल बदलाव करने के बारे में नहीं सोच रहा हूं। मैं जियोवानी (फ्रांस का 21 वर्षीय स्टार जियोवानी एमपेत्शी पेरीकार्ड) की तरह नहीं बनने जा रहा हूं, जो पहले दो सर्विस करके नेट पर आ जाए।' उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं निश्चित रूप से सुधार करना चाह रहा हूं, भले ही यह मामूली हो। मैं शारीरिक और मानसिक रूप से भी प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हूं। चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े, चाहे युवाओं के साथ कितने भी घंटे खेलना पड़े।'

गंभीर ने टीम को आड़े हाथों लिया, बेहतर प्रदर्शन करें या बाहर होने तैयार रहें

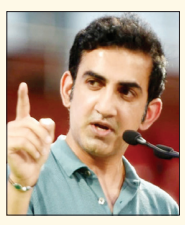

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन से मुख्य कोच गौतम गंभीर बेहद नाराज हैं और उन्होंने इसी कारण टीम को आड़े हाथों लिया। जिस प्रकार से भारतीय टीम ने मेलबर्न में हाथ में आया मैच खो दिया उससे कोच बेहद नाराज बताये गये हैं। मेलबर्न की हार से भारतीय टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले से भी तकरीबन बाहर हो गयी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी कारण भड़के गंभीर ने हर किसी को जमकर फटकारा और कहा, बस बहुत हो गया अब उन्हें संभल जाना चाहिये। गंभीर ने इस दौरान नाम लिए बिना ही स्वाभाविक गेम खेलने के नाम पर आउट होने के लिए अलग-अलग बहाने ढूंढने वाले खिलाड़ियों को भी चेतावनी दी। माना जा रहा है कि उनका संकेत विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और विराट कोहली की ओर था। गंभीर के कोच पद संभालने के बाद से ही से अब तक का टीम का सबसे खराब प्रदर्शन है। उनके कोच पद संभालने के बाद टीम को केवल बांग्लादेश पर जीत मिली। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर उसे हार का सामना करना पड़ा। ड्रेसिंग रूम में कोच ने एक लाइन में कहा कि अगर टीम की योजना के अनुसार नहीं चल सकते हैं तो बाहर जाने के लिए तैयार रहें। गंभीर ने कहा कि उन्होंने पिछले 6 महीने टीम को अपने अनुसार खेलने की आजादी दी थी पर उससे नुकसान ही हुआ है। अब टीम को उनके अनुसार खेलना होगा। मेलबर्न में हार के बाद भारतीय टीम को ने केवल सिडनी में जीतना होगा, बल्कि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में पहुंचने के लिए श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज के परिणाम पर भी निर्भर रहना होगा।

पंजाब किंग्स को इस साल आईपीएल खिताब जिता पायेंगे श्रेयस?

मुम्बई। आईपीएल 2025 सत्र के लिए पंजाब किंग्स टीम के कप्तान बने श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह टीम को खिताब जिताने का पूरा प्रयास करेंगे। वह नए साल में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाकर लगातार दो विभिन्न फ्रेंचाइजियों से खिताब जीतने वाले पहले कप्तान बनने की कोशिश करेंगे। अब तक खिताब नहीं जीत पायी पंजाब किंग्स ने आईपीएल मेगा नीलामी में इसी कारण उन्हें खरीदा है। श्रेयस की कप्तानी में ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने साल 2024 में आईपीएल खिताब जीता था। ऐसे में उनका प्रयास लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतकर रिकार्ड बनाना रहेगा। श्रेयस अय्यर के लिए 2024 एक शानदार वर्ष रहा है, उनकी कप्तानी में टीमों ने 4 ट्रॉफियां जीतीं। अय्यर को मेगा नीलामी में पंजाब ने 26.75 करोड़ में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे क्रिकेटर हैं। साल 2024 में 4 घरेलू टूर्नामेंट जीतने से भी श्रेयस के हौंसले बुलंद हैं। ऐसे में उनका आगामी लक्ष्य आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाना है। उनके नेतृत्व में, मुंबई ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) जीती थी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फाइनल में उनकी टीम ने ने मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराया था। बहरहाल, अपनी हाल की उपलब्धियों को लेकर अय्यर आगामी आईपीएल सत्र को लेकर उत्साहित हैं। अय्यर ने एक वीडियो में कहा कि घरेलू क्रिकेट खिताबों के बाद अगली बड़ी चीज की ओर बढ़ रहा हूं, जो कि आईपीएल है। मैं पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं और पंजाब किंग्स परिवार में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

चैंपियंस ट्रॉफी के पुन: आयोजन पर बोले एफआईएच अध्यक्ष, हमें कैलेंडर में जगह चाहिए

राउरकेला (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ अध्यक्ष दातो तैय्यब इकराम ने बुधवार को प्रतिष्ठित चैंपियंस ट्रॉफी को फिर से आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की लेकिन साथ ही उन्होंने पहले से ही व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हॉकी कैलेंडर में इस टूर्नामेंट को शामिल करने की मुश्किलों को भी उजागर किया।

चैंपियंस ट्रॉफी 1978 में एक सालाना टूर्नामेंट के तौर पर शुरू हुई और 2014 में यह द्विवार्षिक हो गई। यह टूर्नामेंट एक समय हॉकी की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में शामिल था जो केवल विश्व कप और ओलंपिक से पीछे था। इसका अंतिम चरण 2018 में आयोजित कराया गया था। इसके बाद एफआईएच ने इसे बंद कर दिया था।

इकराम ने एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, 'हम इस बात से इनकार नहीं कर रहे हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी या इसी तरह के किसी टूर्नामेंट को फिर से शुरू किया जा सकता है।

लेकिन हमें कैलेंडर में जगह देखने की जरूरत है।' उन्होंने खिलाड़ियों के व्यस्त कार्यक्रम और उनके कार्यभार को ध्यान में रखते हुए 'बेहतर और अधिक रोमांचक टूर्नामेंट' शुरू करने के महत्व पर प्रकाश डाला। इकराम ने हॉकी की वैश्विक पहुंच का विस्तार करने और शीर्ष नौ टीमों से परे देशों के लिए मौका प्रदान करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'हमारे पास दूसरे दर्जे के देशों के लिए कुछ नहीं था। शीर्ष नौ-10 देशों के बाद हमने अगले आठ देशों के लिए नेशन्स कप शुरू किया है। एफआईएच के लिए मेरा लक्ष्य है कि शीर्ष 35 देश एफआईएच टूर्नामेंट में शामिल हों, जो इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ है।'

उन्होंने कैलेंडर की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए एलीट और उभरते हॉकी देशों के बीच की खाई को पाटने के महत्व को रेखांकित किया। इकराम ने कहा, 'अंतर पाटने का एकमात्र तरीका है कि हमें अन्य देशों को भी शामिल करना होगा। इसलिए समस्या यह होगी कि आपका कैलेंडर अधिक भरा होगा।'

एफआईएच का एक प्रमुख टूर्नामेंट प्रो लीग 2019 से चल रहा है। इसके बारे में बोलते हुए इकराम ने 'प्रो लीग कनेक्ट' नाम की एक नयी परियोजना के शुरू होने की घोषणा की जिसका उद्देश्य शीर्ष हॉकी देशों के बाहर के देशों को शामिल करना है। इकराम ने इसके बारे में अधिक जानकारी दिये बिना कहा, 'पिछले साल के अंत में मैंने हमारे प्रतियोगिता विभाग और प्रो लीग टीम के साथ एक बैठक की थी। हम 'प्रो लीग कनेक्ट नामक' की एक परियोजना शुरू कर रहे हैं।'

हेड ने अपने अजीब जश्न को लेकर सफाई दी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ने भारतीय टीम के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऋषभ पंत को आउट करने के बाद अपने अजीब से जश्न को लेकर सफाई दी है। हेड के इस जश्न को लेकर कई लोगों ने हैरानी जतायी थी। वहीं कई लोगों ने इसे विवादित बताते हुए सवाल भी उठाये थे। साथ ही कइने कहा कि यह बर्फ पर अंगुली का संकेत था। साथ ही कहा कि यह अजीब इशारा उन्होंने पहली बार श्रीलंका दौरे में दिखाया था। इस मैच में ऋषभ जब अच्छी बल्लेबाजी करने लगे थे और मैच को ड्रॉ कराने की ओर बढ़ रहे थे। तभी हेड ने उन्हें आउट कर मैच का रुख ही मोड़ दिया। भारतीय बल्लेबाज ने पुल शॉट खेलने का प्रयास किया था जिसपर वह कैच हो गये थे। इसके बाद हेड ने अपने बाएं हाथ की अंगुलियों को एक मोड़कर और दाहिने हाथ की तर्जनी अंगुली को उसमें डुबाकर इस क्षण का जश्न मनाया। हेड ने मेलबर्न टेस्ट के बाद कहा, 'फिंगर ऑन द आइस। मैंने इसकी शुरुआत श्रीलंका में की। मैं अपनी अंगुली बर्फ पर रखी और गेंदबाजी के लिए तैयार हुआ। मैच के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस से जब हेड के इस अजीब से जश्न को इसके बारे में पूछा गया और उन्होंने कहा, 'मैं इसे समझा सकता हूं। उसकी अंगुली इतनी गर्म है कि उसे इसे एक कप बर्फ में डालना पड़ा। यही बात है। कमिंस ने कहा, 'यह आम तौर पर किया जाने वाला मजाक है हालांकि हेड का जश्न पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू को पसंद नहीं आया जिन्होंने इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के खिलाफ 'कड़ी कार्रवाई की मांग की और इसे 'घृणित बताया।

इंग्लैंड के पूर्व किकेटर ने नितीश की तुलना डिविलियर्स से की

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व किकेटर मार्क निकोलस ने भारतीय टीम के युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी की जमकर प्रशंसा की है। निकोलस ने कहा कि जिस प्रकार से नितीश ने मेलबर्न टेस्ट में बल्लेबाजी की थी उससे तय है कि वह विश्व क्रिकेट के दूसरे ए बी डिविलियर्स बनकर उभरेंगे। निकोलस ने इस प्रकार नितीश की तुलना डिविलियर्स से की है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण जाने जाते हैं। नितीश को लेकर निकोलस ने कहा कि, फउनकी ट्रिगर मूवमेंट मुझे डिविलियर्स की याद दिलाती है जिस तरह से वह पीछे जाते हैं और आगे की ओर दबाव डालते हैं, वैसा डिविलियर्स ही करते थे। इसी कौशल से डिविलियर्स ने जमकर रन बनाये हैं। यही अब नितीश कर रहे हैं। साथ ही कहा कि मुझे उनका साहस और अपना समर्थन करने की क्षमता पसंद है। वह शीर्ष पर जाने और दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का सामना करने में जरा भी संकोच नहीं करते हैं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने आगे कहा कि अगले मैच में छह बल्लेबाजों और फिर पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों को रखना चाहिये और नितीश को शीर्ष छह बल्लेबाजों में शामिल किया जाना चाहिये। इस सीरीज में नितीश ने अबतक खेले 4 मैच में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा 294 रन बनाये हैं।

सैमी अप्रैल में संभालेंगे पद

जमैका। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डेरेन सैमी अप्रैल में वेस्टइंडीज टीम के कोच पद को संभालेंगे। सैमी ने वेस्टइंडीज की ओर से 232 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उनकी कप्तानी में वेस्टइंडीज ने दो बार टी20 विश्व कप जीता है। अब बोर्ड ने उन्हें तीनों प्रारुपों में कोच की जिम्मेदारी दी है। सैमी को 2023 में सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम में कोच बनाया गया था। सैमी को तब आंद्रे कोल की जगह एकदिवसीय और टी20 टीम का कोच बनाया गया था। इससे पहले सैमी लाल गेंद क्रिकेट में वेस्टइंडीज टीम के अंतरिम कोच थे। सैमी ने बतौर कोच जून में यूएई के खिलाफ एकदिवसय में पहली बार कोचिंग की। विंडीज के पूर्व विकेटकीपर कूले ने पिछले साल जुलाई में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में अंतिम बार कोचिंग की थी। सैमी के मार्गदर्शन में वेस्टइंडीजी ने सफेद गेंद क्रिकेट में यूएई के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीती थी जबकि बांग्लादेश और इंग्लैंड के खिलाफ भी उसे जीत मिली थी। इसके बावजूद टीम विश्वकप क्वालीफायर के फाइनल में जगह नहीं बना पाई थी। टीम पिछले काफी समय से एक भी टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है। उसे भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार मिली। वहीं उसने ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश से ड्रॉ खेला। उसका टेस्ट में सबसे अच्छा प्रदर्शन जनवरी 2024 में आया। तब उसने ने ऑस्ट्रेलिया को गाबा में हराया था। वेस्टइंडीज ने 2023-25 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में 11 में से सिर्फ 2 टेस्ट मैच जीते जबकि 7 में उसे हार मिली। डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में वेस्टइंडीज सबसे निचले स्थान पर है।

विश्व ब्लिट्ज़ शतरंज : मैगनस कार्लसन और नेपोमनिशी सयुंक्त विजेता , महिला वर्ग मे वेंजून जीती , वैशाली को कांस्य पदक

न्यू यॉर्क (एजेंसी)। फीडे विश्व शतरंज ब्लिट्ज़ चैंपियनशिप का समापन गत वर्ष की अंतिम संध्या को सम्पन्न हो गया और इस बार रोचक तौर पर पुरुष वर्ग में एक की जगह हमें दो विजेता मिले , नॉर्वे के मैगनस कार्लसन और रूस के यान नेपोमनिशी शतरंज के सबसे फटाफट फॉर्मेट के सयुंक्त विजेता रहे जबकि महिला वर्ग में यह खिताब चीन की मौजूदा क्लासिकल विश्व चैम्पियन जू वेंजून नें अपने नाम किया , भारत की वैशाली नें कांस्य पदक अपने नाम किया।

पुरुष वर्ग में क्वाटर फाइनल में मैगनस कार्लसन नें यूएसए के नीमन हंस को 2.5-1.5 से और सेमी फाइनल में पोलैंड के यान डूडा को 3-0 से मात देते हुए फाइनल में प्रवेश किया , वहीं रूस के यान नेपोमनिशी नें क्वाटर फाइनल में हमवतन मुरजिन वोलोदर को 2.5-0.5 से और सेमी फाइनल मे यूएसए के वेसली सो को 3-2 से पराजित करते हुए फाइनल में जगह बनाई।

बेस्ट ऑफ 4 के मुक़ाबले में कार्लसन नें पहले दो मुक़ाबले जीतकर 2-0 से बढ़त बना ली थी और नेपो की हार तय नजर आ रही थी पर नेपो नें शानदार वापसी करते हुए लगातार दो जीत के साथ स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद टाईब्रेक के तौर पर लगातार तीन मुक़ाबले बेनतीजा रहे और उसके बाद मैगनस कार्लसन नें नेपोमनिशी को सयुंक्त विजेता बनने का प्रस्ताव दिया नेपो मान गए पर नियमानुसार परिणाम आने तक मुक़ाबले होने थे , दोनों ने यह प्रस्ताव फीडे को दिया और इसे स्वीकार कर लिया गया और दोनों को सयुंक्त विजेता घोषित कर दोया गया । इस परिणाम को लेकर दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ियों और शतरंज प्रेमियों के बीच एक नयी बहस छिड़ गयी है । सेमी फाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ियों यान डूडा और वेसली सो को कांस्य पदक दिया गया और इस तरह रजत पदक किसी को मिला ही नहीं !

महिला वर्ग में चीन की जू वेंजून नें हमवतन लेई टिंगजे को एक बेहद कड़े मुक़ाबले में 3.5-2.5 से पराजित करते हुए खिताब जीतकर अपना पहला ब्लिट्ज़ खिताब हासिल कर लिया। वेंजून नें क्वाटर फाइनल में रूस की गुनिना वालेंटीना को 2.5-0.5 से और सेमी फाइनल में भारत की आर वैशाली को इसी अंतर से पराजित करते हुए फाइनल में जगह बनाई जबकि लेई टिंगजे नें कज़ाकिस्तान की बीबीसारा को 2.5-1.5 और रूस की लागनों काटेरयना को 3.5-2.5 से मत देते हुए फाइनल में जगह बनाई थी।

लीग चरण में शीर्ष में रहने वाली भारत की

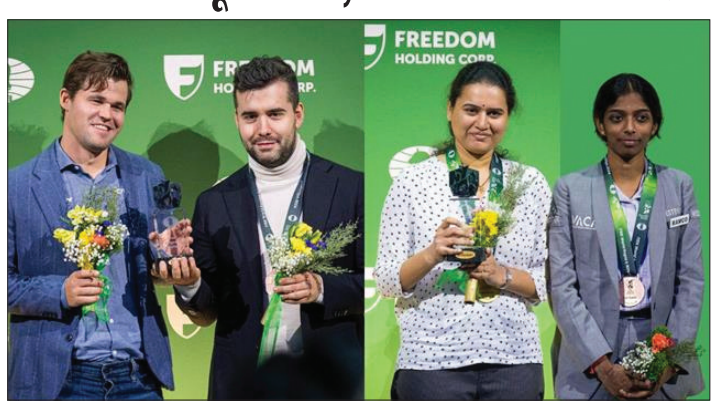

आर वैशाली को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ , पर शतरंज के इस फॉर्मेट में यह उनका पहला पदक है। भारत को कोनेरु हम्पी को भी रैपिड का स्वर्ण पदक दिया गया और इस तरह भारत नें दो पदको के साथ टूर्नामेंट और साल का अंत किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

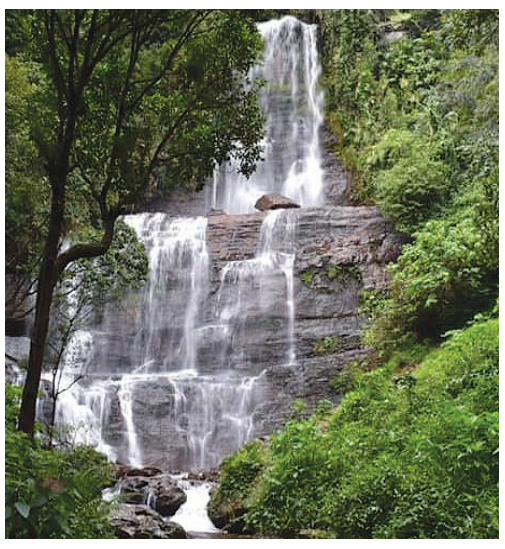

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थीं, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

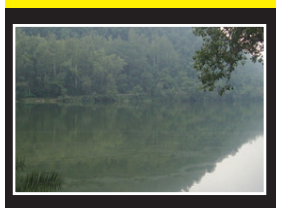

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मृतक इंजीनियर अतुल सुभाष के पिता सुप्रीम कोर्ट में जबाव दें, कर्नाटक हाईकोर्ट का निर्देश

बेंगलुरु । कर्नाटक हाईकोर्ट ने पिछले माह बेंगलुरु में आत्महत्या करने वाले इंजीनियर अतुल सुभाष के पिता को उनकी पुत्रवधू और मामले में आरोपी निकिता की न्यायिक हिरासत के बारे में सुप्रीम कोर्ट को जवाब देने का निर्देश दिया है सुप्रीम कोर्ट नाबालिग पोते की अभिरक्षा मांग रहीं सुभाष की मां की याचिका पर सुनवाई कर रही है। न्यायमूर्ति हेमंत चंदनगौदार ने निकिता की याचिका पर सुभाष के पिता को निर्देश दिया। कथित आरोपी निकिता ने खुद को गिरफ्तार करने और पति की मौत के बाद उसके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करने को चुनौती दी है। निकिता के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल की गिरफ्तारी गैर-कानूनी है और पुलिस गिरफ्तारी का आधार बताने में विफल साबित हुई है। कुमार ने निकिता को अंतरिम जमानत देने का अनुरोध कर कहा कि आरोपी को शीर्ष अदालत में खुद का बचाव करने की जरूरत है। हालांकि राज्य लोक अभियोजक-2 ने जांच का विवरण प्रदान करने के लिए छह जनवरी तक का समय मांगा। सुनवाई के दौरान निकिता के वकील ने कहा कि निचली अदालत ने उसकी और अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के लिए चार जनवरी की तारीख तय की है।

जलगांव में मंत्री की कार से टक्कर लगने पर हंमागा, 6 गाड़ियां, 15 दुकानें फूंकी

जलगांव। महाराष्ट्र के जलगांव के पारधी में साल 2024 की रात मंत्री गुलाब राव पाटिल के समर्थकों और स्थानीय लोगों के बीच झड़प हो गई। इसके बाद भीड़ ने 6 गाड़ियों और 15 दुकानों में आग लगा दी। फायर ब्रिगेड ने आग बुझाई। इसके बाद जलगांव में 2 जनवरी सुबह 6 बजे तक के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मंत्री गुलाब राव पाटिल की गाड़ी में उनका परिवार नए साल के जश्न में शामिल होने गया था। ड्राइवर ने हॉर्न बजाने और टक्कर लगने पर गांव वालों से बहस हो गई। झगड़े की खबर लगते ही गांव के कुछ लोग और शिवसेना के कार्यकर्ता भी वहां पहुंच गए। इसके बाद वहां खड़ी गाड़ियों और दुकानों में आग लगा दी गई। पुलिस ने 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने 8 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एडीशनल एसपी कविता नेरकर ने बताया कि 20 से 25 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धरणगांव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया है। जलगांव के कई इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात है। स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है।

सलझंडी में सूर्यकिरण युद्धाभ्यास में जुटीं भारत-नेपाल की सेनाएं

नई दिल्ली। भारत और नेपाल की सेनाओं के बीच सलझंडी (नेपाल) में सूर्यकिरण युद्धाभ्यास की शुरुआत हुई। यह 13 जनवरी 2025 तक चलेगा। सेना ने बताया कि दोनों देशों की पैदल सेना की बटालियन एक साथ अंतर-संचालनीयता और अनुभवों को साझा करने के लिए संयुक्त रूप से प्रशिक्षण करेंगे। युद्ध के अपरंपरागत खतरों जैसे आतंकवाद से मुकाबले, आतंकी अभियानों और मानवीय सहायता व आपदा राहत अभियान इसका हिस्सा होंगे। युद्धाभ्यास की शुरुआत के लिए नेपाली सेना की तरफ से एक पारंपरिक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें भारत और नेपाल के सैन्य दस्ते अपनी-अपनी सैन्य धुनों के साथ कदमताल करते हुए समारोह स्थल तक पहुंचे। नेपाल सेना के मध्य पश्चिमी डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल प्रेम बहादुर गुरुंग ने समारोह को संबोधित करते हुए दोनों सैन्य टुकड़ियों से एक-दूसरे के जरूरी अनुभवों से लाभ लेने की अपील की। युद्धाभ्यास से दोनों सेनाओं की अंतर-संचालनीयता से आपसी भाईचारे की भावना बढ़ेगी। मालूम हो कि भारतीय सेना की टुकड़ी 29 दिसंबर को नेपाल पहुंच गई थी।

नए साल के पहले दिन भूकंप से थर्राई कच्छ की धरती, कोई नुकसान नहीं

अहमदाबाद । नए साल 2025 के पहले दिन ही सीमावर्ती जिले में भूकंप का झटका महसूस किया गया। कच्छ के भचाऊ में भूकंप के झटके से लोगों में दहशत फैल गई। हांलाकि भूकंप मामूली तीव्रता का होने से किसी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है। जानकारी के मुताबिक आज नए साल 2025 के पहले दिन कच्छ जिले के भचाऊ में भूकंप से जमीन थर्रा उठी। भूकंप का केंद्र भचाऊ से 23 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में दर्ज किया गया। अचानक आए भूकंप के झटके के बाद लोग घर से बाहर निकल आए। हालांकि भूकंप से किसी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचा। सुबह 10 बजकर 24 मिनट पर 3.2 तीव्रता का भूकंप आया।

मौसम विज्ञान विभाग का का दावा, 1901 के बाद से 2024 भारत में रहा सबसे गर्म साल

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 1901 में रिकॉर्ड रखने की शुरुआत के बाद से वर्ष 2024 को आधिकारिक तौर पर भारत में सबसे गर्म वर्ष घोषित किया गया है। देश में औसत न्यूनतम तापमान का अनुभव हुआ जो लंबी अवधि के औसत से 0.90 डिग्री सेल्सियस अधिक था, जो जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करता है। एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग में, आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने खुलासा किया कि 2024 में वार्षिक औसत भूमि सतह हवा का तापमान दीर्घकालिक औसत (1991-2020 अवधि) से 0.65 डिग्री सेल्सियस अधिक था। इसने 2016 में बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया जब औसत तापमान सामान्य से 0.54 डिग्री सेल्सियस अधिक था। यूरोपीय जलवायु एजेंसी कॉपरनिकस के अनुसार, 2024 विश्व स्तर पर सबसे गर्म वर्ष होने की उम्मीद है, जिसमें औसत तापमान पहली बार पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस की महत्वपूर्ण सीमा को पार कर जाएगा। वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन और क्लाइमेट सेंट्रल की एक संयुक्त समीक्षा में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि 2024 में पिछले वर्षों की तुलना में दुनिया भर में औसतन 41 अतिरिक्त दिनों की खतरनाक गर्मी देखी गई।

अब तक कुल 3 करोड़ 22 लाख घरों को मंजूरी, इसमें 2 करोड़ 68 लाख घर तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत अब तक कुल 3 करोड़ 22 लाख घरों को मंजूरी दी जा चुकी है। इसमें 2 करोड़ 68 लाख घर तैयार हैं। साल 2024 में 1 अप्रैल से मंजूर किए गए करीब 28 लाख घरों में से करीब 2 प्रतिशत का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि करीब 88 प्रतिशत के लिए अनुदान की पहली किस्त जारी की जा चुकी है। यानी 30 दिसंबर तक 54 हजार 582 घरों का निर्माण पूरा हो चुका है।

मोदी सरकार ने पीएम आवास योजना-ग्रामीण के तहत 2024 तक पानी, बिजली सहित बुनियादी सुविधाओं से लैस 2 करोड़ 95 लाख पक्के घर लोगों को देने का लक्ष्य रखा था। अपने तीसरे कार्यकाल में मोदी सरकार ने 9 अगस्त 2024 को योजना का विस्तार किया और वित्त वर्ष 2024-25 से लेकर वित्त वर्ष 2028-29 के बीच ग्रामीण इलाकों में 2 करोड़ और आवास बनाने की मंजूरी दी।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 30 दिसंबर 2024 तक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कुल 3 करोड़ 33 लाख आवास अलॉट हुए थे। इसमें से राज्यों की ओर से औपचारिकताएं पूरी करने पर 3 करोड़ 22 लाख घरों के लिए स्वीकृति मिल चुकी थी। इसके अलावा, 3 करोड़ चार लाख घरों के लिए अनुदान की पहली किस्त जारी की जा चुकी थी और 2 करोड़ 68 लाख घर बनकर तैयार हो चुके थे। मंत्रालय के मुताबिक, 2024 में 1 अप्रैल से 30 दिसंबर के बीच 28 लाख 17 हजार 22 मकानों की मंजूरी दी गई। इसमें से 22 लाख 97 हजार 880 के लिए अनुदान की पहली किस्त जारी की जा चुकी थी और 30 दिसंबर तक 54 हजार 582 घरों का निर्माण पूरा हो चुका था। पीएम नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को इस योजना के 10 लाख से अधिक लाभार्थियों को अनुदान की पहली किस्त जारी की थी और आवास प्लस ऐप भी लॉन्च किया था।

2024 में 242 गांवों में ऑल-वेदर रोड बनी

मंत्रालय ने बताया कि पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत 2024 में 242 गांवों में ऑल-वेदर रोड बनाई गईं। इस योजना के तहत कुल 21,584 किलोमीटर सड़कों और 427 पुलों की मंजूरी दी गई। इसमें 19,606 किलोमीटर सड़कें बनाई गईं और 3,489 पुलों का निर्माण किया गया। इस दौरान राज्यों की हिस्सेदारी सहित कुल 17,415 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

नए साल में राजद का नया नारा, आओ चलें तेजस्वी संग, सरकार बनेगी अबकी यंग

पटना। नए साल पर नए पोस्टर और नए नारे के साथ लालू यादव की पार्टी आरजेडी ने विधानसभा चुनाव की तैयारी का आगाज कर दिया है। पटना स्थित राजद मुख्यालय के बाहर पोस्टर लगा है। जिसमें एक कविता के साथ हाल ही में तेजस्वी ने जिन योजनाओं की घोषणा की थी, उनका जिक्र है। पोस्टर में लिखा है कि आओ चलें तेजस्वी संग, सरकार बनेगी अबकी यंग। पोस्टर में तेजस्वी की फोटो दिख रही है। ये पोस्टर आरजेडी के प्रदेश महासचिव भाई अरुण ने लगवाया है। पोस्टर के द्वारा लोगों को नए साल की बधाई भी दी है। राजद के नए पोस्टर में लिखा है नया साल है नई उमंग, आओ जुड़ें राजद संग। 2500 रूपए माई-बहिन को, 1500 बुजुर्ग अभिभावक को। युवाओं को रोजगार मिलेगा, मुफ्त 200 यूनिट बिजली संग। आओ चलें तेजस्वी संग, सरकार बनेगी अबकी यंग। पोस्टर के भी कई मायने निकल रहे हैं। दरअसल बीते कई दिनों से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी सीएम नीतीश पर हमलावर हैं। उन्हें थका हुआ बता चुके हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा था कि अब मुख्यमंत्री थक चुके हैं, खुद फैसले भी नहीं ले पा रहे हैं। कुछ लोगों ने उन्हें हाईजैक कर लिया है। तेजस्वी ने आरोप लगाया कहा था कि उन्हीं की पार्टी के चार नेता सरकार चला रहे हैं। बिहार चलाना अब उनके बस की बात नहीं है।

बांग्लादेशी हिंदुओं को लेकर सीएम सरमा का बड़ा बयान, पीएम मोदी स्थिति को सुधारने में जुटे

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बांग्लादेशी हिंदुओं के भारत में आने को लेकर बड़ा बयान दे दिया है। सीएम सरमा ने कहा कि बांग्लादेशी हिंदुओं की संख्या बहुत कम है और जो आना चाहते थे, वे 40 साल पहले ही आ चुके हैं। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, मुझे लगता है कि हमें उन्हें भारत आने के लिए प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार बांग्लादेश में सुरक्षा सुनिश्चित करने और वहां की स्थिति को स्थिर बनाने के लिए वहां की सरकार से संपर्क में हैं। बांग्लादेश के हिंदू भी परिपक्वता से काम कर रहे हैं।

असम सीएम ने दावा किया कि पिछले पांच महीनों में असम में किसी भी बांग्लादेशी हिंदू के आने की सूचना नहीं मिली है। मुख्यमंत्री का यह बयान अब आया है जब असम में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन (एनआरसी) का मुद्दा गरम है।

पिछले माह असम के मुख्यमंत्री ने कहा था कि असम पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में पांच बच्चों सहित 22 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। उन्होंने बताया कि बेंगलुरु से गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद 16 बांग्लादेशियों को पकड़ा गया, वे दक्षिण सलमार जिले की ओर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि जांच के बाद पता चला कि पकड़े गए लोग बांग्लादेशी थे।

साल 2024 में यूपी पुलिस ने तीन आतंकियों समेत 217 का किया एनकाउंटर

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस के वार्षिक लेखाजोखा देर शाम को जारी किया गया। जिसमें पिछले सात साल के अंदर किये गये कार्यों का ब्योरा दिया गया था। सात साल में पुलिस ने 217 अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। इसी वर्ष पंजाब पुलिस के साथ यूपी पुलिस ने खालिस्तान के तीन आतंकियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया।

वहीं, गैंगस्टर के तहत माफिया व अन्य अपराधियों की 140 अरब रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त कर ली। साथ ही 7546 अपराधियों को सजा दिलाई है। यूपी पुलिस द्वारा जारी किये गये आंकड़ों के मुताबिक 20 मार्च 2017 से 28 दिसम्बर 2024 तक 217 अपराधी मुठभेड़ में ढेर किए गए। पुलिस ने 7799 बदमाश को पैर में गोली मार कर घायल कर गिरफ्तार किया। 17 पुलिसकर्मियों की जान चली गई और 1644 पुलिस कर्मी घायल हुए। 924 अपराधियों पर रासुका की कार्रवाई की गई।

लखनऊ के चिनहट स्थित आईओबी बैंक के दो बदमाशों को मार गिराया और कई आरोपितों को गिरफ्तार कर घटना का दो दिन में ही खुलासा कर दिया। पुलिस ने सुलताननपुर जिले में सराफा कारोबारी की दुकान में डकैती डालने वाले एक लाख रुपए के इनामी मगेश यादव का भी एनकाउंटर किया। चिह्नित माफिया गिरोहों के 1391 सदस्यों को जेल भेजा गया। महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम कर रहे एंटी रोमियो टीम ने 18,926 आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की। पूरे प्रदेश में 212 अवैध टैक्सी स्टैण्ड हटाये गए। यूपी पुलिस कानून व्यवस्था के मामले में बेहतर रही है। वर्ष 2024 में अयोध्या राम मंदिर में श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा में यूपी पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था बेहतर रही है। वहीं टी-20 क्रिकेट मैच जैसे आयोजनों का सकुशल कराकर यूपी पुलिस ने काफी प्रशंसा बटोरी। बहराइच और संभल में हिंसा भड़कने पर पुलिस ने सक्रियता दिखाई। पुलिस ने तत्काल सख्त कार्रवाई करते हुए हालात पर काबू पाया।

वर्ष 2025 उत्तराखंड के लिए नई उपलब्धियों वाला ऐतिहासिक वर्ष होगा: सीएम धामी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को नववर्ष के अवसर पर शुभकामनाएं दीं है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस वर्ष को नई उपलब्धियों के साथ ऐतिहासिक वर्ष बनाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस वर्ष उत्तराखंड पूरी तरह युवा हो जाएगा, क्योंकि राज्य अपने गठन के 25 वर्ष पूरे कर लेगा। उन्होंने कहा कि युवा राज्य पूरे जोश और उत्साह के साथ नई गति प्राप्त करेगा। एएनआई से बात करते हुए धामी ने कहा, 'मैं सभी को नए साल की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं... हम सभी को प्रधानमंत्री की प्रेरणा से इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाना है। उत्तराखंड का हर निवासी यह सुनिश्चित करने में योगदान देगा कि उत्तराखंड हर क्षेत्र में अग्रणी हो... नया साल नई उपलब्धियों के लिए होगा और हमारा संकल्प पूरा होगा और हम राज्य के रजत जयंती वर्ष में कई उपलब्धियां हासिल करेंगे।' उन्होंने कहा, 'हमारे सभी सरकारी विभाग भी इसमें पूरे मनोयोग से काम करेंगे। हम इस वर्ष को नई उपलब्धियों के साथ ऐतिहासिक वर्ष बनाएंगे, क्योंकि हम 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं और 25 वर्षीय उत्तराखंड आज पूरी तरह युवा हो गया है और युवाओं को पूरे जोश और उत्साह के साथ नई गति मिलेगी।' भारत ने वर्ष 2025 का स्वागत पूरे देश में जश्न के साथ किया, क्योंकि विभिन्न शहरों में लोगों ने इस अवसर को हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया। कई शहरों में पार्टियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लाइव संगीत प्रदर्शनों और थीम आधारित सजावट के साथ नए साल का जश्न शुरू हो गया। दिल्ली में हौज खास, कनॉट प्लेस और लाजपत नगर जैसी मशहूर जगहों पर नए साल का जश्न मनाने वालों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुरक्षित जश्न सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पुलिस ने पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम कर रखे थे। पंजाब के अमृतसर में लोग नए साल का स्वागत करने के लिए स्वर्ण मंदिर में एकत्र हुए। कई शहरों के होटलों में भी इस अवसर पर विशेष समारोह आयोजित किए गए। मध्य प्रदेश के भोपाल में लोग 2025 का स्वागत करते हुए सड़कों पर नाचते हुए देखे गए। इसी तरह लखनऊ में भी लोगों ने रात 12 बजते ही नाचते हुए जश्न मनाया।

सनातन धर्म वाली टिप्पणी पर कायम हूं, बीजेपी के हमलों के बीच पिनाराई विजयन ने एक फिर किया साफ

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन सनातन धर्म पर अपनी टिप्पणी पर अड़े हैं, जो उन्होंने शिवगिरी तीर्थयात्रा के उद्घाटन के दौरान की थी। तिरुवनंतपुरम में मुख्यमंत्री द्वारा बुलाए गए संवाददाता सम्मेलन में पिनाराई विजयना ने कहा कि वह अपना बयान नहीं बदलेंगे। उन्होंने कहा मैंने कल जो कहा था, मैं उस पर कायम हूं। वे श्री नारायण गुरु को सनातन धर्म के प्रवक्ता के रूप में चित्रित करने का प्रयास कर रहे हैं। यह सही नहीं है। उन्होंने भाजपा के उन आरोपों का भी जवाब दिया कि वह वोट बैंक की राजनीति के लिए सनातन धर्म का अपमान कर रहे हैं। अगर यह वोट-बैंक की राजनीति है, तो क्या मुझे कुछ और नहीं कहना चाहिए? मैंने जो कहा वह यह था कि श्री नारायण गुरु को संतान धर्म का प्रवक्ता बनाने का प्रयास न करें।

केरल के मुख्यमंत्री को तिरुवनंतपुरम जिले के वर्कला शहर में शिवगिरी तीर्थयात्रा के संबंध में एक कार्यक्रम में दिए गए अपने बयानों के लिए भाजपा नेताओं की भारी आलोचना का सामना करना पड़ा। वार्षिक तीन दिवसीय शिवगिरी तीर्थयात्रा 30 दिसंबर को शुरू हुई, और यह श्री नारायण गुरु के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। सनातन धर्म का सबसे महत्वपूर्ण अंग 'चतुर्वर्ण्यम्' पर आधारित 'वर्णाश्रम धर्म' है। इसने क्या कायम रखा है? किसी की जाति के आधार पर नौकरियाँ। लेकिन श्री नारायण गुरु ने क्या किया है? उन्होंने किसी के धर्म के आधार पर नौकरी करने की धारणा को खारिज करने को कहा।

विजयन ने यह भी कहा कि (श्री नारायण) गुरु सनातन धर्म के प्रवक्ता या अभ्यासकर्ता नहीं थे। बल्कि, वह एक भिक्षु था जिसने उस धर्म को तोड़ा और नए युग के लिए नए युग के 'धर्म' की घोषणा की। वह समाज सुधारक को सनातन धर्म के समर्थक के रूप में चित्रित करने के प्रयास की निंदा कर रहे थे।

भाजपा सत्ता में आई तो संदेशखली मामले की जांच होगी और ममता जेल जाएंगी

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सत्ता में आने पर भाजपा संदेशखली में हुए अत्याचारों की जांच के लिए एक आयोग का गठन करेगी और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को जेल भेजेगी। भाजपा नेता अधिकारी ने यह बयान संदेशखाली में दिया। ज्ञात हो कि एक दिन पहले सीएम ममता बनर्जी ने इस इलाके का दौरा किया था। संदेशखली में भाजपा के एक आउटरीच कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने सीएम ममता पर शाहजहां शेख जैसे स्थानीय टीएमसी नेताओं के खिलाफ विरोध करने के लिए लोगों को दंडित करने के लिए 2024 के चुनावों से पहले क्षेत्र में महिलाओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि बनर्जी ने लोगों से कहा है कि जो कुछ भी हुआ है उसे भूल जाएं, संदेशखली के लोग इसे नहीं भूलेंगे। मैं भी नहीं भूलूंगा। अगर भाजपा पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है, तो संदेशखली घटनाओं की जांच के लिए एक आयोग का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आपने संदेशखली की महिलाओं को फंसाया था और जेल भेजा था, महिलाओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कराने पर भाजपा आपको भी जेल भेजेगी। भाजपा नेता अधिकारी ने कहा कि हम कानून के आधार पर बदला लेंगे और संविधान की सीमा के भीतर रहेंगे।

फरवरी 2024 में संदेशखाली के इलाके में कुछ स्थानीय टीएमसी नेताओं पर आरोप लगे थे कि उन्होंने महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया था और जमीन हड़प लिया था। इस घटना का जिक्र करते हुए सीएम ममता ने सोमवार को कहा था, मुझे पता है कि इसके पीछे एक बड़ा खेल था और इसमें पैसे का प्रभाव भी था, लेकिन बाद में लोगों को एहसास हुआ कि पूरा मामला झूठा है। सच्चाई आखिरकार सामने आती है। जो बीत गई सो बात गई। मैं इन बातों को मन में नहीं रखना चाहती हूं।

मुंबई हमले का आरोपी जल्द लाया जाएगा भारत, अमेरिका अदालत ने दी प्रत्यर्पण की इजाजत

-राणा ने मुम्बई हमलों के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी

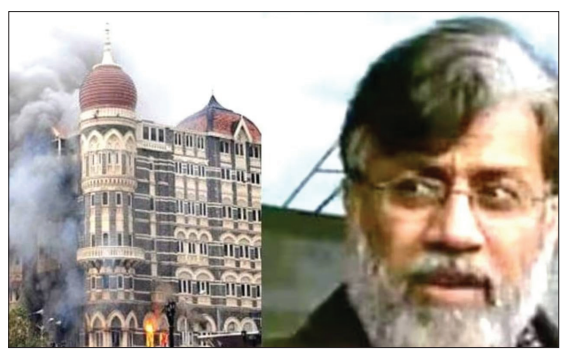

मुंबई (एजेंसी)। 26/11 मुम्बई आतंकी हमलों में शामिल तहव्वुर राणा को जल्द भारत लाया जा सकता है। राणा को भारत लाने की प्रक्रिया राजनयिक चैनलों के जरिए मिल रही है। बता दें अगस्त 2024 में अमेरिकी अदालत ने फैसला सुनाया कि राणा को दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है। अदालत ने तब राणा की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उसने मुम्बई आतंकी हमलों में अपनी संलिप्तता के लिए भारत को प्रत्यर्पित करने का विरोध किया था। अदालत ने माना कि भारत ने राणा के खिलाफ पर्याप्त प्रमाण प्रस्तुत किए थे, जिससे यह साबित होता है कि प्रत्यर्पण आदेश सही था।

राणा का नाम मुम्बई पुलिस ने 26/11 हमलों के संबंध में अपनी चार्जशीट में शामिल किया था। उस पर पाकिस्तान की इंटरसर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक सक्रिय सदस्य के रूप में काम करने का आरोप है। चार्जशीट में कहा गया है कि राणा ने मुम्बई हमलों के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी, जिसने हमलों के लिए मुम्बई में जगहों की रेकी की थी।

अदालत ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रत्यर्पण संधि में नॉन-बिस इन आइडम अपवाद है। यह तब लागू होता है जब आरोपी को उस अपराध के लिए पहले ही दोषी ठहराया या बरी किया जा चुका हो। अदालत ने यह भी कहा कि राणा के खिलाफ भारत में लगाए गए आरोप अमेरिकी अदालतों में उनके खिलाफ चलाए गए मामलों से अलग हैं, इसीलिए नॉन-बिस इन आइडम अपवाद लागू नहीं होता।

26/11 मुम्बई आतंकी हमलों के करीब एक साल बाद एफबीआई ने शिकागो में राणा को गिरफ्तार किया था। राणा और उसके साथी डेविड कोलमैन हेडली ने मिलकर मुम्बई हमलों के लिए जगहों की रेकी की थी और पाकिस्तान के आतंकवादियों को हमले को अंजाम देने के लिए खाका तैयार किया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

द. कोरिया में मार्शल लॉ लगाने वाले राष्ट्रपति के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में हाल ही में रातों रात मार्शल लॉ लगाने वाले राष्ट्रपति यून की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने मंगलवार को राष्ट्रपति यून सुक येओल को हिरासत में लेने और उनके दफ्तर और घरों की तलाशी लेने के लिए वारंट जारी किए हैं। देश में भ्रष्टाचार की जांच करने वाली एजेंसी ने कहा है कि वह इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या उनकी घोषणा विद्रोह के बराबर थी। वहीं विपक्षी दलों ने संसद में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव भी पेश किया है। दक्षिण कोरिया के अधिकारियों के एक बयान के मुताबिक सियोल की एक कोर्ट ने यून को हिरासत में लेने और कार्यालय और घर की तलाशी लेने के लिए वारंट जारी किए। दक्षिण कोरिया के कानून की बात करें तो विद्रोह का दोषी पाए जाने पर उन्हें मौत की सजा या आजीवन कारावास की सजा भी दी जा सकती है। फिलहाल राष्ट्रपति पद पर होने की वजह से यून को ज्यादातर आपराधिक मुकदमों से छूट मिली है। हालांकि यह विशेषाधिकार विद्रोह या देशद्रोह के आरोपों में नहीं मिलता है। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक यून को औपचारिक रूप से पद से नहीं हटाया जाता तब तक हिरासत में लेने या तलाशी लेने की संभावना कम है। यून ने दिए थे तर्क गौरतलब है कि 14 दिसंबर को मार्शल लॉ लागू लगने के बाद विपक्ष द्वारा नियंत्रित नेशनल असेंबली ने यून के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया था। तब से राष्ट्रपति यून की शक्तियां निलंबित हैं। देश में अचानक लगाए गए मार्शल के बाद सैकड़ों सैनिक और पुलिस अधिकारी सियोल की सड़कों पर उतर आए थे। यून ने तर्क दिया था कि उनका आदेश पूरी तरह वैध था। उन्होंने कहा था कि विपक्षी पार्टियों उत्तर कोरिया के साथ मिलकर देश को कमजोर करने का काम कर रही है। द कोरिया की संवैधानिक कोर्ट को यह तय करना है कि यून को राष्ट्रपति पद से बर्खास्त किया जाए या नहीं। विशेषज्ञों ने कहा कि यून वारंट की अनदेखी कर सकते हैं। यून के एक वकील ने सोमवार को भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसी के वारंट को खारिज करते हुए कहा है कि विद्रोह के आरोपों की जांच करने के लिए उनके पास कानूनी अधिकार नहीं है।

राष्ट्रपति पद छोड़ने से पहले यूक्रेन की बड़ी मदद कर गए बाइडन, 2.5 बिलियन डॉलर देने का ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस के खिलाफ युद्ध लड़ रहे यूक्रेन के लिए अमेरिका ने फिर मदद का हाथ बढ़ाया है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने सोमवार को कहा कि यूएस यूक्रेन को लगभग 2.5 बिलियन डॉलर और हथियार भेजेगा। अमेरिकी प्रशासन नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यालय संभालने से पहले कीव को मजबूती देना चाहता है। रूस से लड़ने में मदद के लिए संसाधन मुहैया कराने का काम तेजी से चल रहा है। ताजा पैकेज में राष्ट्रपति के ड्रॉडाउन अथॉरिटी का 1.25 बिलियन डॉलर शामिल है, जिससे सेना को युद्ध के मैदान में तेजी से हथियार पहुंचाने की इजाजत मिलती है। इसके अलावा, यूक्रेन सुरक्षा सहायता पहल के तहत करार पर रखा जाने वाला 1.22 बिलियन डॉलर का हथियार पैकेज भी है। जो बाइडन ने कहा कि सभी दीर्घकालिक यूएसएआई फंड अब खर्च हो चुके हैं। साथ ही, वह ऑफिस छोड़ने से पहले बाकी सभी ड्रॉडाउन मनी का पूरा उपयोग करना चाहते हैं। बाइडन ने बयान जारी करके कहा, मैंने अपने प्रशासन को निर्देश दिया है कि यूक्रेन को जितनी जल्दी हो सके उतनी सहायता जारी की जाए। अमेरिका कार्यालय में मेरे शेष समय तक युद्ध में यूक्रेन को मजबूत करने के लिए लगातार काम करना जारी रखेगा। गौरतलब है कि यूक्रेन ने पिछले दिनों रूसी सेना के साथ लड़ाई में अपने 1,400 सैनिक खो दिए हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन ने रूस के सेंटर समूह के साथ झड़प में 480 से अधिक सैनिकों को खो दिया, जिसने 11 यूक्रेनी जवाबी हमलों को विफल कर दिया। रूसी सेना के जैपाद समूह ने चार जवाबी हमलों को विफल कर दिया और 420 यूक्रेनी सैनिकों को मार गिराया।

अमेरिकी ट्रेजरी पर चीन का साइबर अटैक, अहम दस्तावेजों तक बनाई पहुंच

वाशिंगटन, एजेंसी। चीन के हैकरों ने अमेरिका पर बड़ा साइबर अटैक किया है। व्हाइट हाउस की एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि एक बड़े साइबर सुरक्षा उल्लंघन में राज्य-प्रायोजित चीनी अभिनेता ने कथित तौर पर अमेरिकी कार्यालयों और अवर्गीकृत दस्तावेजों तक पहुंच प्राप्त कर ली। ट्रेजरी अधिकारियों द्वारा जारी आंतरिक ट्रेजरी विभाग के बयान में सरकारी एजेंसियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले सॉफ्टवेयर सिस्टम में कमजोरियों को उजागर किया गया है। सीएनएन द्वारा समीक्षा किए गए एक दस्तावेज़ में पाया गया कि उल्लंघन तब हुआ जब एक धमकी देने वाले अभिनेता ने बैक कार्यालयों और अनएन्क्रिप्टेड दस्तावेज़ों तक दूरस्थ पहुंच प्राप्त करने के लिए चोरी की चाबियों का उपयोग किया। इस समझौते का पता 8 दिसंबर को एक तृतीय-पक्ष सॉफ़्टवेयर सेवा प्रदाता द्वारा एक अधिसूचना के माध्यम से चला। अमेरिकी ट्रेजरी में प्रबंधन की सहायक सचिव अदिति हार्डिकर के अनुसार, इस घटना के लिए एक चीनी राज्य प्रायोजित एडवांस्ड पर्सिस्टेंट थ्रेट (एपीटी) अभिनेता को जिम्मेदार ठहराया गया है।

चुनाव में जीत के बावजूद यौन शोषण मामले में ट्रंप को राहत नहीं, 42 करोड़ रुपए का हर्जाना बरकरार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। एक संघीय अपील न्यायालय ने सोमवार को एक सिविल मामले में ट्रंप को झटका दिया है. अदालत ने जूरी के निष्कर्ष को बरकरार रखा कि डोनाल्ड ट्रंप ने 1990 के दशक के मध्य में एक अपस्केल डिपार्टमेंट स्टोर के ड्रेसिंग रूम में एक स्तंभकार का यौन शोषण किया था. द्वितीय यूएस सर्किट कोर्ट ऑफ अपील ने मानहानि और यौन शोषण के लिए मैनहट्टन जूरी द्वारा ई. जीन कैरोल को दिए गए 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर (42 करोड़ 79 लाख 88 हजार रुपये) का हर्जाना बरकरार रखते हुए एक लिखित राय जारी की. लंबे समय से पत्रिका स्तंभकार रहे कैरोल ने 2023 के मुकदमे में गवाही दी थी कि ट्रंप ने वसंत 1996 में एक दोस्ताना मुलाकात को हिंसक हमले में बदल दिया, जब वे स्टोर के ड्रेसिंग रूम में मजाकिया ढंग से घुस गए. हमले की घटना से बार-बार इनकार करने के बाद ट्रंप ने मुकदमे में भाग नहीं लिया. लेकिन उन्होंने इस साल की शुरुआत में एक अनुवर्ती मानहानि मुकदमे में संक्षिप्त रूप से गवाही दी, जिसके परिणामस्वरूप 83.3 मिलियन का पुरस्कार मिला. दूसरा मुकदमा तत्कालीन राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा 2019 में की गई टिप्पणियों के परिणामस्वरूप हुआ, जब कैरोल ने पहली बार एक संस्मरण में सार्वजनिक रूप से आरोप लगाए थे. अपने फैसले में, अपील अदालत के तीन न्यायाधीशों के पैनल ने ट्रंप के वकीलों के दावों को खारिज कर दिया कि ट्रायल जज लुईस ए. कपलान ने कई ऐसे फैसले दिए थे, जिससे ट्रायल खराब हो गया, जिसमें दो अन्य महिलाओं को गवाही देने की अनुमति देना भी शामिल था, जिन्होंने ट्रंप पर यौन शोषण का आरोप लगाया था. न्यायाधीश ने जूरी को कुख्यात एक्सेस हॉलीवुड टेप देखने की भी अनुमति दी थी, जिसमें ट्रंप ने 2005 में महिलाओं के जननांगों को पकड़ने के बारे में दावा किया था क्योंकि जब कोई स्टार होता है, तो आप कुछ भी कर सकते हैं. दूसरे सर्किट कोर्ट ने कहा कि हम निष्कर्ष निकालते हैं कि ट्रंप ने यह प्रदर्शित नहीं किया है कि जिला न्यायालय ने चुनौती दिए गए किसी भी फैसले में गलती की है. इसके अलावा, उन्होंने यह दिखाने का अपना दायित्व नहीं निभाया है कि किसी भी दावा की गई त्रुटि या दावा की गई त्रुटियों के संयोजन ने उनके पर्याप्त अधिकारों को प्रभावित किया है, जो एक नए परीक्षण को वारंट करने के लिए आवश्यक है. सितंबर में, कैरोल, 81, और ट्रंप, 78, दोनों ने द्वितीय सर्किट द्वारा मौखिक तर्कों में भाग लिया. स्टीवन चेउंग, ट्रंप के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि ट्रंप को मतदाताओं द्वारा चुना गया था जिन्होंने एक भारी जनादेश दिया था, और वे हमारी न्याय प्रणाली के राजनीतिक हथियारीकरण को तत्काल समाप्त करने और डेमोक्रेट द्वारा वित्तपोषित कैरोल होक्स सहित सभी विच हंट्स को तुरंत खारिज करने की मांग करते हैं, जिस पर अपील जारी रहेगी. रोबर्टा कपलान, एक वकील जिसने मुकदमे के दौरान कैरोल का प्रतिनिधित्व किया और जो न्यायाधीश से संबंधित नहीं है, ने एक बयान में कहा कि ई. जीन कैरोल और मैं दोनों आज के फैसले से संतुष्ट हैं. हम पक्षों की दलीलों पर सावधानीपूर्वक विचार करने के लिए द्वितीय सर्किट कोर्ट को धन्यवाद देते हैं.

साउथ कोरिया में 7 दिन का राष्ट्रीय शोक, राष्ट्रपति ने सभी एयरलाइन की जांच का आदेश दिया

सियोल, एजेंसी। साउथ कोरिया में प्लेन क्रैश हादसे के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने सोमवार को देश में 7 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने सभी एयरलाइन सिस्टम की जांच के आदेश दिया है। रविवार को बैंकॉक से आ रहा जेजू एयर का बोइंग 737-800 प्लेन मुआन एयरपोर्ट पर लैंड कर रहा था, लेकिन गियर में खराबी की वजह से इसके पहिए नहीं खुले। बेली लैंडिंग की कोशिश में प्लेन क्रैश कर गया, जिससे उसमें सवार 181 लोगों में से 179 की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे में जान गंवाने वालों में 84 पुरुष और 85 महिलाएं हैं। जबकि 10 शवों के जेंडर का पता नहीं चल पाया। मरने वालों में से 146 लोगों की पहचान कन्फर्म हो चुकी है, बाकी बचे लोगों की पहचान जानने के लिए डीएनए टेस्ट किया जाएगा। हादसे में जिंदा बचे दोनों क्रू मेंबर का इलाज जारी है। होश में आने के बाद दोनों गहरे सदमें है। उन्हें हादसे को लेकर साफ तौर पर कुछ भी याद नहीं है। क्रू मेंबर को हादसे के बारे में साफ तौर पर कुछ याद नहीं कोरियन टाइम्स के मुताबिक हादसे में बच गए दोनों क्रू मेंबर पैसेंजर्स की मदद के लिए प्लेन के पिछले हिस्से में तैनात थे। इनमें से एक 32 साल के ली सदमे में हैं। वे बार-बार पूछ रहे हैं कि उन्हें क्या हुआ है? और वह यहां क्यों हैं? डॉक्टर का कहना है कि ली के बाएं कंधे में फ्रैक्चर और सिर में चोटें आईं हैं, लेकिन उनका स्वास्थ्य स्थिर है। 25 साल की फ्लाइट अटेंडेंट क्रोन भी हादसे में बाल-बाल बच गईं। उनका भी हॉस्पिटल में इलाज जारी है। क्रोन को भी हादसे के बारे में कुछ याद नहीं है। उन्होंने अपने सिर, टखने और पेट में तेज दर्द की बात कही है। डॉक्टर्स ने कहा कि क्रोन की चोटें गंभीर हैं लेकिन जान को कोई खतरा नहीं है।

मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति बोले- भारत हमारे लोकतंत्र का समर्थक

माले, एजेंसी। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति और विपक्षी पार्टी के नेता, मोहम्मद नशीद ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के खिलाफ महाभियोग लाने की साजिश और उसमें भारत की भूमिका को खारिज किया है। दरअसल सोमवार को अमेरिकी अखबार द वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था मुइज्जू को पद से हटाने के लिए विपक्ष ने साजिश रची थी। इसके लिए भारत से 51 करोड़ की मदद मांगी जानी थी।

इस रिपोर्ट पर नशीद ने बताया कि उन्हें ऐसी किसी साजिश की जानकारी नहीं और भारत कभी भी ऐसी साजिश का समर्थन नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि भारत कभी ऐसा कदम नहीं उठाएगा, क्योंकि वह हमेशा मालदीव के लोकतंत्र का समर्थन करता है। भारत ने कभी हम पर शर्तें नहीं थोपीं।

दावा- 40 सांसदों को रिश्वत देने का प्लान था वाशिंगटन पोस्ट ने दावा किया है कि उसके पास डेमोक्रेटिक रिन्यूअल इनिशिएटिव नाम के कुछ दस्तावेज मौजूद हैं। इनमें मुइज्जू को सत्ता से हटाने की प्लानिंग है। रिपोर्ट के मुताबिक मुइज्जू को सत्ता से हटाने के लिए 40 सांसदों को रिश्वत देने का प्लान बनाया गया था। इनमें मुइज्जू की पार्टी के सांसद भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सांसदों के अलावा सेना और पुलिस के 10 सीनियर अधिकारियों और कुछ आपराधिक गिरोहों को भी पैसे देने का प्लान बनाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक इसके लिए साजिश करने वालों ने 51 करोड़ रुपए की मांग रखी थी। वॉशिंगटन पोस्ट ने मालदीव के दो अधिकारियों के हवाले बताया है कि ये रकम भारत से मांगी जानी थी। वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि, भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (आरएडब्ल्यू) के सीनियर अधिकारी ने मुइज्जू को राष्ट्रपति पद से हटाने की योजना पर बात की थी। वॉशिंगटन पोस्ट ने दावा किया उसे मुइज्जू के परिवार के एक सदस्य ने कुछ रिकॉर्डिंग दिए हैं। इनमें आरएडब्ल्यू के एक सीनियर खुफिया अधिकारी और अन्य भारतीय मीडिएटर्स के बीच मुइज्जू को पद से हटाने को लेकर हुई बातचीत रिकॉर्ड है।

अमेरिका के लॉस एंजेलिस हवाई अड्डे पर टकराने से बचे विमान, एटीसी की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

लॉस एंजेलिस , एजेंसी। हाल ही में अजरबैजान और दक्षिण कोरिया में हुए दो बड़े विमान हादसों से लोग उबरे भी नहीं है कि अमेरिका के लॉस एंजेलिस हवाई अड्डे पर एक और बड़ा विमान हादसा होने से बाल-बाल बच गया। दरअसल हवाई अड्डे पर दो विमान आपस में टकराने से बच गए और एटीसी की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि कुछ सेकेंड की देरी सैंकड़ों जिंदगियों पर भारी पड़ सकती थी। गौरतलब है कि एक विमान में वॉशिंगटन के गोंजागा विश्वविद्यालय की बास्केटबॉल टीम भी सफर कर रही थी। अमेरिका के फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। एफएए ने बयान में कहा कि लाइम एयर फ्लाइट 563 लॉस एंजेलिस हवाई अड्डे पर उतरी थी और जैसे ही वह रनवे को पार करने वाली थी, तभी बास्केटबॉल टीम को ले जा रहा निजी विमान भी टेकऑफ कर रहा था। स्थिति ऐसी बनी कि दोनों विमान बेहद करीब आ गए। हालात को देखते हुए एटीसी ने तुरंत की लाइम एयरलाइंस के विमान को तुरंत रुकने को कहा। इससे विमानों की टक्कर बच गई। जब निजी विमान ने उड़ान भर ली, उसके बाद दूसरे विमान को रनवे पर जाने की इजाजत दी गई।

क्या पाकिस्तान में सरकार-विपक्ष के बीच सब ठीक हो जाएगा? दो जनवरी को होगी इमरान खान की पार्टी से बातचीत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार और इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के बीच महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है। इसका उद्देश्य राजनीतिक मतभेदों को सुलझाना है। यह बैठक गुरुवार को संसद भवन में सुबह 11 बजे होने वाली है, जिसे नेशनल असेंबली स्पीकर सरदार अयाज सादिक ने बुलाया है। वह दोनों पक्षों के बीच बातचीत करवाना चाह रहे हैं, जिससे मतभेद सुलझाए जा सकें।

इससे पहले हो चुकी है बैठक : यह बैठक 23 दिसंबर को शुरू हुई बातचीत पर आधारित होगी और इसका उद्देश्य राजनीतिक स्थिरता की दिशा में एक कदम बढ़ाना है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पीटीआई पार्टी दो प्रमुख मांगें प्रस्तुत करने की योजना बना रही है, जो आगामी सत्र के दौरान लिखित रूप सरकार के सामने रखेगी।

इन दो मांगों पर अड़ी पीटीआई : इन मांगों में पिछले साल की नौ मई को हुई हिंसक घटनाओं और 26 नवंबर को इस्लामाबाद में पीटीआई कार्यकर्ताओं पर की गई कार्रवाई की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग का गठन करना तथा 72 वर्षीय इमरान खान समेत सभी राजनीतिक बंदियों की रिहाई करना शामिल हैं। पूर्व राष्ट्रीय असेंबली स्पीकर और पीटीआई नेता असद कैसर ने इन मांगों को दोहराते हुए कहा कि पार्टी आयोग के गठन और खान की रिहाई की अपनी मांगों पर अडिग है। 23 दिसंबर को हुई पहली बैठक को सकारात्मक देखा गया, जिसमें दोनों पक्षों ने बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई थी। इस बैठक में पीटीआई का प्रतिनिधित्व कैसर, सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के अध्यक्ष साहिबजादा हामिद रजा और मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन (एमडब्ल्यूएम) के नेता अल्लामा राजा नसर अब्बास ने किया था।

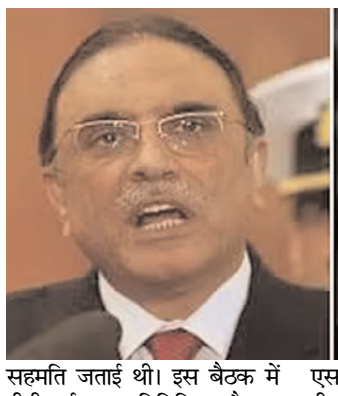

एसआईसी और एमडब्ल्यूएम दोनों ही खान के प्रमुख सहयोगी हैं।

सरकार की तरफ से ये लोग कर रहे नेतृत्व : सरकारी पक्ष का नेतृत्व करने वाली नौ सदस्यीय समिति में उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार, प्रधानमंत्री के राजनीतिक सलाहकार राणा सनाउल्लाह, सेनटर इरफान सिद्दीकी, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के राजा परवेज अशरफ और नवीद कमर, इत्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी (आईपीपी) के नेता अलीम खान, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-क़ैद (पीएमएल-क्यू) के नेता चौधरी सलीक हुसैन, बलूचिस्तान अवामी पार्टी के सरदार खालिद मार्गसी और मुताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान के नेता डॉ. खालिद मकबूल सिद्धिकी शामिल हैं। अयाज सादिक ने दोनों सरकार और विपक्ष के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि दोनों पक्षों ने एक सकारात्मक माहौल बनाया है और उन्हें उम्मीद है कि इस प्रयास से पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिरता बढ़ेगी तथा देश की चुनौतियों का समाधान होगा।

नौ जनवरी को होगा पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर का अंतिम संस्कार, अमेरिका में शोक दिवस का एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर का 100 साल की आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार नौ जनवरी को वॉशिंगटन डीसी में होगा। राष्ट्रपति जो बाइडन ने नौ जनवरी को राष्ट्रीय शोक दिवस का एलान किया है। उन्होंने कहा है कि नौ जनवरी को पूर्व राष्ट्रपति कार्टर के सम्मान में संघीय कार्यालय बंद रहेंगे। वहीं अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने भी नौ जनवरी को न्यायालय बंद रखने के लिए कहा है।

जिमी कार्टर का रविवार देर रात 100 साल की उम्र में निधन हो गया। जिमी कार्टर अमेरिकी इतिहास के सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले राष्ट्रपति थे। राष्ट्रपति जो बाइडन ने जिमी कार्टर के निधन पर शोक जताते हुए कहा कि आज अमेरिका और दुनिया ने एक असाधारण नेता, राजनेता और मानवतावादी खो दिया है। पूर्व राष्ट्रपति कार्टर को श्रद्धांजलि देने के लिए समारोह चार जनवरी से शुरू होंगे। इस दौरान उनके पार्थिव शरीर को दर्शन के लिए जॉर्जिया स्थित आवास और जॉर्जिया राज्य कैपिटल में रखा जाएगा। इसके बाद सात जनवरी तक पूर्व राष्ट्रपति के पार्थिव शरीर को अटलांटा स्थित कार्टर प्रेसिडेंशियल सेंटर में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। यहां से पार्थिव शरीर को अमेरिकी नौसेना स्मारक और अंतिम यात्रा के साथ वॉशिंगटन डीसी ले जाया जाएगा। सात जनवरी को अमेरिकी सांसद दिवंगत राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि देंगे। नौ जनवरी तक पूर्व राष्ट्रपति का पार्थिव शरीर वॉशिंगटन डीसी में रहेगा। यहां सुबह 10 बजे राष्ट्रीय कैथेड्रल में उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार होगा। सोमवार को अमेरिकी कांग्रेस के नेताओं ने पूर्व राष्ट्रपति कार्टर के बेटे जेम्स कार्टर तृतीय और कार्टर सेंटर को पत्र लिखकर कहा था कि दिवंगत राष्ट्रपति का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार वॉशिंगटन डीसी में किया जाए। बाइडन-ट्रंप ने दी श्रद्धांजलि राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को एक बयान में कार्टर को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने बयान में कार्टर को प्रिय मित्र और असाधारण नेता के रूप में याद किया। वहीं, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकियों पर पूर्व राष्ट्रपति की कृतज्ञता का ऋण है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया। पीएम नरेंद्र मोदी ने उनको महान दूरदर्शी राजनेता बताया। पीएम ने कहा कि उन्होंने वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए अथक प्रयास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के निधन से बहुत दुख हुआ। वह एक महान दूरदर्शी राजनेता थे। उन्होंने वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए अथक प्रयास किया। भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत बनाने में उनका योगदान एक स्थायी विरासत छोड़ गया है। उनके परिवार, दोस्तों और अमेरिका के लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

पाकिस्तान 2025 में सुरक्षा परिषद में होगा शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के कई सदस्य बुधवार (1 जनवरी, 2025) से बदलने जा रहे हैं। इसमें कुछ गैर-स्थायी सदस्यों की एंट्री हो रही है, जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है। उसे अब आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने के मामले में एक तरह की वीटो शक्ति प्राप्त हो जाएगी जिन्हें वह पनाह देता आया है। जून में अस्थायी सदस्य के रूप में चुने जाने के बाद, पाकिस्तान सुरक्षा परिषद में एशिया-प्रशांत देशों के लिए दो सीटों में से एक पर जापान की जगह लेगा और दो साल तक यह सीट पर रहेगा। इस्लामाबाद को अब 26/11 मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड साजिद मीर जैसे अपने आतंकवादियों की सुरक्षा के लिए इस्लामिक स्टेट और अलकायदा प्रतिबंध समिति में बीजिंग पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जो इन दोनों संगठनों से जुड़े व्यक्तियों और समूहों को आतंकवादी घोषित करती है और उन पर प्रतिबंध लगाती है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में केवल स्थायी सदस्यों के पास निर्णयों पर वीटो की शक्ति होती है, लेकिन गैर-स्थायी सदस्यों के पास भी आतंकवाद के लिए प्रतिबंध समितियों में एक प्रकार की वीटो शक्ति होती है क्योंकि वे स्वीकृत मानदंडों के तहत आम सर्वसम्मति से कार्य करती हैं। सर्वसम्मति प्रक्रिया द्वारा दिए गए वर्चुअल वीटो की निंदा की जाती रही है, इस्लामिक स्टेट-अल-कायदा प्रतिबंध पैनल के पूर्व प्रमुख न्यूजीलैंड ने इसे समिति की प्रभावशीलता में सबसे बड़ा अवरोधक बताया है। भारत ने प्रतिबंध समितियों की कार्यप्रणाली को भूमिगत करार दिया है, जो कानूनी आधार के बिना अस्पष्ट प्रथाओं पर आधारित है। साथ ही पारदर्शिता की मांग की है ताकि निर्णयों के औचित्य और उन्हें कैसे लिया जाता है, यह स्पष्ट हो सके। पाकिस्तान को अब सुरक्षा परिषद में कश्मीर पर अपनी अभियान को और जोरदार तरीके से उठाने का मंच मिल जाएगा, यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे वह चर्चा के विषय की परवाह किए बिना नियमित रूप से उठाता है, तथा भारत पर तीखे हमले करता है। हालांकि, यह एक निरंतर प्रचार स्टंट ही रहेगा क्योंकि पाकिस्तान एक ऐसी आवाज रहा है जो सुनसान में गूंजती है। इस्लामाबाद कश्मीर को फिलिस्तीन समस्या से जोड़ने की कोशिश करता रहा है लेकिन किसी अन्य देश को अपने साथ नहीं जोड़ सका। जुलाई में जब पाकिस्तान सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा, तो वह अपनी पसंद के विषयों पर कम से कम दो सिग्नेचर इवेंट्स आयोजित कर सकता है, जिनमें उच्च-स्तरीय भागीदारी होगी, जिसमें उसके अपने और आमंत्रित सदस्य दोनों शामिल होंगे। भले ही यह सीधे तौर पर इसे भारत विरोधी शो न बनाए, लेकिन यह किसी ऐसे विषय को उठा सकता है जिसका इस्तेमाल वह भारत और कश्मीर पर दुष्प्रचार के लिए कर सकता है। जापान के हटने के साथ, ध्रुवीकृत परिषद में संतुलन में एक सूक्ष्म बदलाव आ गया है, जहां चीन, रूस और पाकिस्तान का त्रिकोण कई मुद्दों पर उभर कर सामने आएगा। अन्य एशियाई सदस्य दक्षिण कोरिया है, जो जापान की तरह पश्चिम समर्थक है।

सांसद रानिल जयवर्धने को मिलेगा नाइटहुड सम्मान, ब्रिटिश नववर्ष सम्मान सूची में 30 से ज्यादा भारतवंशी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में नए साल के मौके पर ब्रिटिश सम्राट किंग चार्ल्स तृतीय देश और समाज के उत्थान के काम करने वाले गुमनाम नायकों को प्रतिष्ठित सम्मान देंगे। नववर्ष सम्मान सूची में 30 से अधिक भारतवंशी शख्सियतों के नाम शामिल हैं। इस साल किंग चार्ल्स तृतीय श्रीलंका और भारतीय मूल के कंजर्वेटिव सांसद रानिल मैल्कम जयवर्धने को राजनीतिक और सार्वजनिक सेवा के लिए प्रतिष्ठित नाइटहुड सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही इंग्लैंड फुटबॉल टीम के मैनेजर गैरेथ साउथगेट को भी खेल सेवाओं के लिए नाइटहुड सम्मान से नवाजा जाएगा।

सम्मान के लिए जारी की गई सूची में 1200 से अधिक शख्सियतों के नाम हैं। इसमें खेल, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और स्वैच्छिक सेवा देने वाले शामिल हैं। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने कहा कि हर दिन साधारण लोग देश और समाज के लिए असाधारण काम करते हैं। ऐसे लोगों का नाम नए साल की सम्मान सूची में शामिल किया गया। उनका योगदान अविश्वसनीय है।

सूची में इन भारतीयों के नाम : सम्मान के लिए जारी की गई सूची के मुताबिक कमांडर्स ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (सीबीई) के लिए शिक्षा क्षेत्र में सेवा देने वाली सतवंत कौर देओल, खुदरा और उपभोक्ता क्षेत्र में सेवाओं के लिए लीना नायर, प्रौद्योगिकी पेशेवर ब्रिटिश कंप्यूटिंग सोसायटी के अध्यक्ष मयंक प्रकाश को चुना गया है। ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (ओबीई) के लिए कानून क्षेत्र में सेवाओं के लिए चार्ल्स प्रीतम सिंह धनोवा, स्वास्थ्य सेवा, विज्ञान और नवाचार एवं

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सेवा के लिए सर्जन प्रोफेसर स्नेह खेमका, हृदय रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर संजय आर्य; ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एक्सेटर कॉलेज में प्रारंभिक आधुनिक साहित्य और संस्कृति की प्रोफेसर और ट्यूटोरियल फेलो नंदिनी दास, आइसलैंड फूड्स के सीईओ तरसेम सिंह धालीवाल, जैस्मीन डोटीवाला का नाम शामिल किया गया। इसके अलावा ओबीई में महिला अंतरराष्ट्रीय शिपिंग और व्यापार संघ यूके की अध्यक्ष मोनिका कोहली, क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) से सौम्या मजूमदार, घोटाले से प्रभावित उप-डाकपालों के पक्ष में अभियान के लिए सीमा मिश्रा, परोपकारी मनदीप कौर संघेरा, ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के पेशेवर सवराज सिंह सिद्धू, और फैशन उद्योग की पेशेवर स्मृति श्रीराम को शामिल किया गया। ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर के सदस्यों (एमबीई) और ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर के पदक विजेताओं (बीईएम) की 2025 की सूची में प्रधानमंत्री की डायरी प्रबंधक ऊष्मा मनहर पटेल, मानसिक स्वास्थ्य अभियानकर्ता ज्ञान सिंह पावर और व्यापार विभाग से श्रव्या राव, तकनीकी विशेषज्ञ दलिम कुमार बसु, नर्सिंग प्रमुख मारिमौट्टू कुमारसामी, रुमेटोलॉजिस्ट प्रोफेसर भास्कर दासगुप्ता और बाल रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर अजय जयकिशोर वोरा, सामुदायिक कार्यकर्ता संजीब भट्टाचार्जी और जगरूप बिनिग, डाक कर्मचारी हेमंद्र हिंडोचा और चैरिटी कार्यकर्ता जसविंदर कुमार, संगीतकार बलबीर सिंह खानपुर भुजंगी के नाम शामिल हैं। भुजंगी को इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में भांगड़ा और पंजाबी संस्कृति के लिए सेवाओं के लिए सम्मानित किया जा रहा है। इसके साथ ही कम्पेनियन ऑफ ऑनर सम्मान से लेखक काजुओ इशिगुरो को और अंग्रेजी अभिनेता, लेखक को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के लिए स्टीफन फ्राई को नाइटहुड सम्मान दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुलिस विभाग अर्जी की जाँच में अवैध रूप से बनाया लाखों-करोड़ों की संपत्ति,RTI से मिली जानकारी

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन

अमरेली में युवती का जुलूस निकालने के आरोप पर सूरत में समाज के नेताओं ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

न्याय की मांग की गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अमरेली में एक युवती का जुलूस निकालने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन होने के आरोप लगाए गए हैं। इस घटना के विरोध में सूरत में समाज के प्रमुख नेताओं ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर न्याय की मांग की।

इस घटना को गंभीरता से लेते हुए समाज के लोगों ने इसे महिला सम्मान और कानून-व्यवस्था का हनन बताया है। उन्होंने यह भी मांग की है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। समाज के नेताओं ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं के सम्मान और गरिमा की रक्षा के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं, जिनका इस मामले में उल्लंघन हुआ है।

अमरेली में लेटरकांड को लेकर युवती का जुलूस निकालने की घटना पर पूरे राज्य में चर्चा हो रही है। आरोपियों का जुलूस निकालने को लेकर राज्य के गृह मंत्री द्वारा कई बार बयान दिए गए हैं, लेकिन जिस तरह से युवती को लेटरकांड में आरोपी बनाकर उसका जुलूस निकाला गया, इस पर गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं।

इस घटना को लेकर समाज और राजनीतिक नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और मांग की है कि युवती के साथ न्याय हो। नेताओं और समाज के लोगों ने इसे महिला गरिमा का उल्लंघन बताया है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अमरेली में लेटरकांड के मामले में जिस युवती को आरोपी बनाया गया है, उसे लेकर अब पाटीदार समाज भी सामने आया है। साथ ही कांग्रेस के नेता भी युवती को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं।

लेटरकांड में युवती की कोई भूमिका न होने के बावजूद पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई को अनुचित बताया जा रहा है। इस मुद्दे पर आज सूरत में समाज के अग्रणियों और कांग्रेस के नेताओं ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने इस कार्रवाई को महिला गरिमा के खिलाफ बताते हुए युवती को न्याय दिलाने की मांग की।

समाज के अग्रणी और एडवोकेट संजय धोराड़िया ने कहा कि मेरी राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी से केवल यही पूछने की है कि किसी भी आरोपी का जुलूस या सरघस नहीं निकाला जा सकता। फिर भी, वर्तमान में राज्यभर में पुलिस द्वारा सरघस निकाले जाने के मामले सामने आ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, उनका पालन नहीं किया जा रहा है, और यह स्पष्ट रूप से कोर्ट ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन है।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राज्य के गृह मंत्री ऐसे पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे? गृह मंत्रालय को यह तय करना होगा कि ऐसे अधिकारियों का भी जुलूस निकाला जाएगा या नहीं।

संजय धोराड़िया ने आगे कहा कि एक बेटी को रात 12 बजे जबरन उठाकर ले जाना और उसके बाद इस तरह का कृत्य करना किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। यह न केवल महिला गरिमा का उल्लंघन है बल्कि कानून और न्याय की अवहेलना भी है।

कोसंबा पुलिस स्टेशन के PI और PSI सहित छह पुलिसकर्मियों को अपनी जिम्मेदारी में निष्क्रियता के कारण निलंबित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

स्टेट मोनेटरिंग सेल (SMC) द्वारा शराब की भट्ठी पर छापा मारे जाने के बाद 3.91 लाख रुपये का माल जब्त किया गया था। इस मामले में, कोसंबा पुलिस स्टेशन के PI और PSI सहित छह पुलिसकर्मियों को अपनी जिम्मेदारी में निष्क्रियता के कारण निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई शराब तस्करी के खिलाफ की गई छापेमारी में पुलिसकर्मियों की लापरवाही के चलते की गई है। कोसंबा पुलिस थाने की सीमा में स्थित वालसा गांव में चल रही देसी शराब की भट्ठी पर स्टेट मॉनिटरिंग सेल द्वारा दो दिन पहले छापा मारा गया था। इस दौरान 3,91,000 रुपये का माल जब्त किया गया था। इसके बाद यह सवाल उठे कि कोसंबा पुलिस ने इस मामले में कोई कार्रवाई क्यों नहीं की, जबकि यह उनके क्षेत्र में आता था। इस निष्क्रियता को लेकर कोसंबा पुलिस थाने और पालोदचौकी के PI-PSI सहित छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

गांधीनगर मॉनिटरिंग सेल ने सूचना के आधार पर कोसंबा पुलिस थाने और पालोदचौकी के क्षेत्र में स्थित वालसा गांव के किम खाड़ी के किनारे चल रही देसी शराब की भट्टियों पर छापा मारा था। इस दौरान शराब का कारोबार चला रहे 4 व्यक्तियों को 3,91,000 रुपये के माल के साथ गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद कोसंबा पुलिस थाने के PI और PSI सहित छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया, जिससे इस क्षेत्र और पुलिस प्रशासन में हलचल मच गई है।

गांधीनगर मॉनिटरिंग सेल द्वारा कोसंबा पुलिस थाने और पालोदचौकी के क्षेत्र में कार्रवाई की गई थी, जिससे सवाल उठे थे कि स्थानीय पुलिस अपनी जिम्मेदारी में सक्रिय क्यों नहीं थी। इसके परिणामस्वरूप, कोसंबा पुलिस थाने के PI एम.के. स्वामी, पालोद पुलिसचौकी के PSI आर.एम. कुटवाल, एक हेड कॉन्स्टेबल अमृतभाई और तीन पुलिस कॉन्स्टेबल को निलंबित कर दिया गया है, जिससे पुलिस प्रशासन में हलचल मच गई है।

दो दिन पहले स्टेट मॉनिटरिंग सेल द्वारा जानकारी के आधार पर छापेमारी की गई थी। छापेमारी के दौरान खाड़ी के किनारे भागदौड़ भी मच गई थी। शराब के व्यापारियों के चार व्यक्तियों को 3,91,000 के माल के साथ पकड़ा गया था। इस देसी शराब के मामले में PI और PSI सहित 6 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया था। कोसंबा और मंढारोल तहसील में और साथ ही पुलिस विभाग में हलचल मच गई है और सूरत जिले के पुलिस विभाग में नाराजगी भी देखने को मिल रही है।

श्री श्याम मंदिर में भक्तों का लगा मेला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम में नववर्ष के मौके पर बुधवार को सुबह से ही भक्तों का मेला लगा जो देर रात तक लगातार रहा। इससे पूर्व मंगलवार को श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा नव-वर्ष 2025 के शुभ आगमन पर भजन संध्या का आयोजन रात्रि नौ बजे से किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम एवं सचिव राजेश दोदराजका ने बताया कि इस मौके पर बाबा श्याम, सालासर दरबार एवं शिव परिवार का विशेष श्रृंगार किया गया। भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकार हरीश मल्ल, पवन केजरीवाल एवं पवन मुरारका द्वारा एक से बढ़कर एक भजनों एवं धमाल की प्रस्तुति दी गयी। इस दौरान "ना डिस्को जायेंगे, ना होटल जायेंगे..., नया साल सांवरिया तेरे साथ मनायेगें....." पर सभी भक्त भाव-विभोर हो झूम उठे।

गोडादरा क्षेत्र में गैस लीक से आग में झुलसे एक ही परिवार के चार सदस्य

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गोडादरा क्षेत्र में सुपर सिनेमा रोड पर DGVCL द्वारा खनन के दौरान गुजरात गैस पाइपलाइन में टूट-फूट के कारण आग लग गई। आग ने विकराल रूप ले लिया, जिससे दो मासूम बच्चे और उनके माता-पिता झुलस गए। इस घटना के बाद इलाके में भारी अराजकता फैल गई। झुलसे हुए परिवार के चार सदस्य को उपचार के लिए स्मीमेर अस्पताल ले जाया गया, हालांकि, दोनों बच्चों की इलाज के दौरान मौत हो गई है, जबकि मां की हालत गंभीर है।

गोडादरा क्षेत्र में सुपर सिनेमा के पास केशवनगर में, गुरुवार सुबह DGVCL द्वारा खदान खोदकर केबल डालने का काम किया जा रहा था। इस दौरान गुजरात गैस की मुख्य लाइन में टूट-फूट के कारण गैस लीक हो गई और आग लग गई। गैस की वजह से आग विकराल रूप ले गई और पास की मोबाइल, कॉस्मेटिक्स, कपड़े और कटलरी की दुकानें भी इसकी चपेट में आ गईं। इस दौरान बिल्डिंग से बाहर निकलते हुए परिवार के सदस्य सुरजकुमार फौजदार निषाद (उ.व. 32), पत्नी परमिला सुरजकुमार निषाद, बेटी परीधी (उ.व. 2.5 साल) और बेटा शिवांश (10 महीने) आग की लपटों से झुलस गए। अस्पताल में इलाज के दौरान परीधी निषाद की मौत हो गई। कंपनी की लापरवाही के कारण पूरा परिवार झुलस गया, जबकि बच्ची की मौत हो गई, जिससे माता-पिता शोक में डूब गए हैं।

इस घटना की जानकारी मिलने के बाद, फायर विभाग को सूचित किया गया, और फायर ब्रिगेड की टीम घटना स्थल पर पहुंची। घायल परिवार के सदस्यों को 108 एम्बुलेंस द्वारा इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल भेजा गया। यहां यह पता चला कि परिवार के सदस्य परमिला और परीधी गंभीर रूप से झुलस गए थे। वहीं, फायर जावनों ने आग को बुझाने के प्रयास किए। घटना की सूचना मिलने के बाद गुजरात गैस कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम भी घटना स्थल पर पहुंची और गैस लाइन को बंद किया। फिलहाल, झुलसे हुए परिवार के चारों सदस्यों को अधिक इलाज के लिए निजी अस्पताल भेजा गया है। कंपनी द्वारा दिखाई गई लापरवाही के कारण पूरे परिवार और दुकानदारों को आर्थिक रूप से भी बड़ा नुकसान हुआ है। हालांकि, दुख की बात यह है कि मासूम बेटी अपनी जिंदगी की जंग हार गई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

हजीरा आग में चार झुलसे अभी भी सिविल अस्पताल के रिकॉर्ड में अज्ञात

17 घंटे बाद लिए गए DNA सैंपल, परिवार ने रातभर नहीं ली नींद; एक की 6 महीने पहले ही हुई थी शादी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

हजीरा में हुए अग्निकांड में झुलसे चार लोगों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। सिविल अस्पताल में इनका रिकॉर्ड अभी भी अज्ञात के रूप में दर्ज है। घटना के 17 घंटे बाद [illegible] सैंपल लिए गए, जिससे पीड़ितों की पहचान की जा सके।

इस दर्दनाक घटना ने परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। परिजनों ने पूरी रात जागते हुए अपने प्रियजनों की खबर का इंतजार किया। एक मृतक की तो 6 महीने पहले ही शादी हुई थी, जिससे यह हादसा और भी दुखद बन गया।

परिवारों और प्रशासन के लिए यह घटना पहचान और राहत कार्य में कई चुनौतियां पेश कर रही है।

सूरत में 31 दिसंबर को हजीरा की AMNS कंपनी में हुए ब्लास्ट के बाद आग की घटना में चार ठेकेदार कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए थे। इस घटना के घंटों बाद भी परिवार को घटना की जानकारी नहीं दी गई, जिसके कारण गुस्सा फूट पड़ा था।

मृतकों के शव सूरत सिविल अस्पताल पहुंचे, जहां परिजन भी दौड़ते हुए पहुंचे। हालांकि, शवों की पहचान करना मुश्किल था क्योंकि वे पूरी तरह से झुलस गए थे। सूरत सिविल अस्पताल में शवों को अभी भी अज्ञात के रूप में दर्ज किया गया है। घटना के 17 घंटे बाद परिजनों के DNA सैंपल लिए गए, ताकि उनकी पहचान की जा सके।

सूरत में हुए हादसे के बाद परिजनों का गुस्सा बढ़ गया है। आज सुबह से उन्होंने पुलिस चौकी घेर ली है और कंपनी के अधिकारियों को बुलाने की मांग कर रहे हैं।

यह घटना और भी दुखद है क्योंकि इस साल का आखिरी दिन इन चारों युवकों के लिए उनकी जिंदगी का आखिरी दिन बन गया था। मृतकों के परिवारों से बातचीत करने पर पता चला कि इनमें से एक युवक की तो केवल छह महीने पहले ही शादी हुई थी।

एएमएनएस कंपनी में ब्लास्ट में झुलसे मृतक गणेश महाराष्ट्र के धुलिया जिले के निवासी थे। वह एएमएनएस कंपनी में क्रेन मेंटेनेंस का काम करते थे और अपनी पत्नी के साथ रहते थे। गणेश की शादी सिर्फ छह महीने पहले ही हुई थी।

मृतक के रिश्तेदार गोपाल उळढे ने बताया कि गणेश रोज़ की तरह सुबह काम पर जाते थे और शाम को घर लौटते थे। 31 दिसंबर को, गणेश शाम को समय पर घर नहीं पहुंचे, तो गोपाल खुद कंपनी गए और वहां उन्हें गणेश के निधन की सूचना मिली।

मृतक धवल के परिवारजनों ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि 25 वर्षीय धवलकुमार नरेशभाई पटेल व्यारा के पाटी जवा फलिया में अपने परिवार के साथ रहते थे। ITI में पढ़ाई करने के बाद पिछले छह महीनों से वह लिफ्ट टेक्नीशियन के तौर पर काम कर रहे थे और अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे थे। परिवार में उनके पिता, माता और एक छोटा भाई है। धवल परिवार के बड़े बेटे थे, इसलिए घर की सभी जिम्मेदारियां उन पर थीं। उनका छोटा भाई अभी पढ़ाई कर रहा है। परिवार का गुजारा चलाने वाले बेटे की मौत से परिवार में शोक का माहौल है।

मृतक संदीपकुमार अशोकभाई पटेल के परिवारजनों ने बताया कि 25 वर्षीय संदीपकुमार सुरत जिले के महुवा में अपने परिवार के साथ रहते थे। उनके परिवार में माता-पिता और तीन बहनें हैं। संदीप परिवार के एकमात्र बेटा और तीन बहनों का एकमात्र भाई था।

संदीप ने ITI में पढ़ाई की थी और पिछले छह महीनों से लिफ्ट टेक्नीशियन के तौर पर काम कर रहे थे, जिससे वह अपने परिवार का गुजारा कर रहे थे। परिवार के एकमात्र जवान बेटे की मौत से परिवार में गहरा शोक छा गया है।

मृतक जिग्नेश दिलीपकुमार (उम्र 35) परिवार के साथ सूरत के अडाजन क्षेत्र में रहते थे। पिछले 8 से 10 वर्षों से वह लिफ्ट टेक्नीशियन के तौर पर काम कर रहे थे और अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। परिवार में उनकी मां, पत्नी और एक भाई है।

जिग्नेशभाई ने बचपन में ही अपने पिता को खो दिया था और इसके बाद परिवार के बड़े बेटे के तौर पर उन्होंने सभी जिम्मेदारियां निभाई। वर्तमान में, यह परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। उनकी मौत से परिवार में शोक का माहौल है।

जिग्नेश पारिख नाम के कामदार की बहन ने कहा, "हमें कुछ भी जानकारी नहीं मिली है। हमें कोई सूचना नहीं दी गई है। कोई व्यक्ति भी यहां नहीं है। अगर कंपनी को मृतक का नाम मिल गया था, तो परिवार के संपर्क नंबर कैसे नहीं मिले? मुझे न्याय चाहिए। वहां दूसरे कामकाजी लोग तो होंगे, उन्हें यहां लाकर हमें सही जानकारी दीजिए।

इतनी बड़ी कंपनी में कोई सुरक्षा नहीं है।"

जिग्नेश पारिख नाम के कामदार की बहन ने कहा, "हमें कुछ भी जानकारी नहीं मिली है। हमें कोई सूचना नहीं दी गई है। कोई व्यक्ति भी यहां नहीं है। अगर कंपनी को मृतक का नाम मिल गया था, तो परिवार के संपर्क नंबर कैसे नहीं मिले? मुझे न्याय चाहिए। वहां दूसरे कामकाजी लोग तो होंगे, उन्हें यहां लाकर हमें सही जानकारी दीजिए। इतनी बड़ी कंपनी में कोई सुरक्षा नहीं है।"